Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 250
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 16 सितम्बर, 2025

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 5 लाख रुपये से अधिक के उपचारों के लिए ...
4 जीएसटी दरों के कम हो जाने का लगभग ...
7 अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कर दी ...

संक्षिप्त न्यूज

सरकार का पांच साल में वाहन क्षेत्र को शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्यः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन 2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि वाहन क्षेत्र सरकार को सबसे अधिक जीएसटी

राजस्व देता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है।
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान वाला बनाना है।'' गडकरी ने बताया कि देश में दुनिया की सभी बड़ी वाहन कंपनियां मौजूद हैं।
उन्होंने कहा, ''जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपये है।''
इस समय अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है। उसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान है। मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, ''हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।

बिहार को पीएम की सैगात

बोले- पिछड़े को प्राथमिकता और गरीब की सेवा, यही मोदी का लक्ष्य है

पूर्णिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्णिया हवाई अड्डे के नए सिविल एन्क्लेव में अंतरिम टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। बिहार चुनाव से पहले उनका यह दौरा महत्वपूर्ण है। नरेंद्र मोदी पूर्णिया में एकत्रित लोगों का अभिवादन किया। मोदी ने बिहार के पूर्णिया में लगभग 36,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद हैं। इसके साथ ही मोदी ने बिहार में कई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने बिक्रमशिला-कटेरिया के बीच 2,170 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली रेल लाइन का शिलान्यास किया, जो गंगा नदी के पार सीधा रेल संपर्क प्रदान करेगी।
वहीं, अपने संबोधन की शुरूआत में माफी मांगते हुए मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं आप सभी से क्षमा चाहता हूँ। कोलकाता में मेरा कार्यक्रम थोड़ा लंबा हो गया, और इस वजह से मुझे यहाँ पहुँचने में देर हो गई। इसके बावजूद आप लोग इतनी बड़ी संख्या में हमें आशीर्वाद देने आए। आप इतने लंबे समय तक रुके। मैं आपका आभार

व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि आज यहां बिहार के विकास के लिए करीब 40 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। रेल, एयरपोर्ट, बिजली, पानी से जुड़ी ये परियोजनाएं सीमांचल के सपनों को पूरा करने का माध्यम बनेंगी।
प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां 40 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को पीएम आवास योजना के तहत पक्के घर भी मिले हैं। इन 40 हजार परिवारों के जीवन में आज एक नई शुरुआत हुई है। धनतेरस, दीपावली और छठ पूजा से पहले अपने पक्के घर में गृह प्रवेश बहुत सौभाग्य से होता है। मैं इन परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।
उन्होंने कहा कि आज का ये अवसर मेरे बेघर भाई-बहनों को भरोसा देने का भी है कि एक दिन उनको भी पक्का घर मिलेगा। ये मोदी की गारंटी है! हमारी सरकार ने पिछले 11 साल में 4 करोड़ से ज्यादा पक्के घर बनाकर गरीबों को दिए हैं। मोदी ने दावा किया कि अब हम 3 करोड़ नए घर बनाने का काम कर रहे हैं। जब तक हर गरीब को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी रुकने या थमने वाला नहीं है। पिछड़े को प्राथमिकता और गरीब की सेवा, यही मोदी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-विकसित भारत के निर्माण में इंजीनियर्स की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं देश के सभी इंजीनियर्स को आज के दिन की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि NDA सरकार द्वारा इस पूरे क्षेत्र को आधुनिक हाईटेक रेल सेवाओं से भी जोड़ा जा रहा है। आज भी मैंने वंदे भारत, अमृत भारत पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है।

वक्फ अधिनियम पर एससी का अंतरिम आदेश

जयराम रमेश बोले - शरारती इरादों को लगा झटका

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगाने वाले सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश का स्वागत किया और कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों की जीत है।' पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव (संचार) ने कहा कि अंतरिम आदेश न केवल विरोध करने वाले दलों के लिए, बल्कि संयुक्त संसदीय समिति के उन सभी सदस्यों के लिए भी एक बड़ी जीत है, जिन्होंने इस 'मनमाने' कानून के खिलाफ अपनी असहमति व्यक्त की थी।
जयराम रमेश ने कहा कि यह आदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मूल कानून में निहित शरारती इरादों को खत्म करने की दिशा में एक लंबा रास्ता तय करता है। उन्होंने आगे बताया कि विपक्षी दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने तर्क दिया था कि इस कानून के परिणामस्वरूप एक ऐसा ढाँचा तैयार होगा जहाँ कोई भी और हर कोई कलेक्टर के समक्ष संपत्ति की स्थिति को चुनौती दे सकेगा और ऐसे मुकदमे के दौरान संपत्ति की स्थिति अनिश्चित रहेगी।
रमेश ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन धाराओं के पीछे की मंशा हमेशा स्पष्ट थी - मतदाताओं को भड़काए रखना और धार्मिक विवाद भड़काने वालों

को शामिल करने के लिए एक प्रशासनिक ढाँचा तैयार करना। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूरे वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी।
भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि संशोधित अधिनियम की कुछ धाराओं को संरक्षण की आवश्यकता है। अंतरिम आदेश पारित करते हुए, पीठ ने अधिनियम के उस प्रावधान पर रोक लगा दी जिसके तहत वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति को पाँच वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक था। रमेश ने आदेश पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, 'हम इस आदेश का स्वागत न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों की जीत के रूप में करते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा जब तक यह निर्धारित करने के लिए नियम नहीं बन जाते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं।

तेजस्वी की अनदेखी पर चिराग का तंजः

राहुल के लिए सब किया, मिला सिर्फ ज़ख्म

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा में तमाम कोशिशों के बाद भी, कांग्रेस नेता ने उनके नेतृत्व को उचित सम्मान नहीं दिया। पासवान ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अनदेखा किए जाने के बाद तेजस्वी यादव का दुखी होना स्वाभाविक है। तेजस्वी यादव की हालिया टिप्पणी 'तेजस्वी सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे' के बारे में पूछे जाने पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार के विपक्षी नेता ने राहुल गांधी की यात्रा के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। वह राहुल गांधी की गाड़ी भी चला रहे थे। वह जहाँ भी जा रहे थे, वह उनके पीछे-पीछे चल रहे थे।
चिराग पासवान ने आगे कहा कि इतना सब कुछ करने के बाद भी, कांग्रेस ने उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया। उन्हें उचित सम्मान नहीं दिया गया। इसलिए उनका ऐसा महसूस करना स्वाभाविक है। राजद नेता की यह टिप्पणी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए महागठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत से पहले आई है। इस बीच, एशिया कप के एक मैच के दौरान भारतीय क्रिकेटरों द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों से हाथ मिलाने से इनकार करने पर, पासवान ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने सही काम किया और इस तरह उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अगर आप किसी से हाथ मिला रहे हैं और वही लोग आपके परिवार पर हमला कर रहे हैं और उन्हें मार रहे हैं, तो ऐसी तस्वीरें निश्चित रूप से उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचा सकती हैं। खेल खेला जाना चाहिए था और हमारे खिलाड़ियों ने भी इसका उतना ही सम्मान किया और उसी भावना से खेल खेला। जीत हासिल करके, हमारे खिलाड़ियों ने निश्चित रूप से उन पीड़ितों का सच्चा सम्मान किया। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत के बाद, कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने साथी शिवम दुबे के साथ पाकिस्तानी टीम का पारंपरिक अभिवादन किए बिना सीधे ड्रेसिंग रूम लौट गए। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीवन में कुछ चीजें खेल भावना से आगे होती हैं।'

सिद्धारमैया का विवादित बयानः

हिंदू धर्म में समानता होती तो धर्मांतरण क्यों होता?

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धर्मांतरण पर अपनी टिप्पणी के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे हिंदू समुदाय में समानता होती, तो कोई धर्म परिवर्तन क्यों करता? उन्होंने आगे कहा कि अगर समानता होती, तो अस्पृश्यता क्यों अस्तित्व में आई? क्या हमने अस्पृश्यता पैदा की है? इस्लाम, ईसाई धर्म या किसी भी धर्म में असमानताएँ हो सकती हैं। न तो हमने और न ही भाजपा ने किसी को धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा, लेकिन लोग धर्म परिवर्तन करते हैं और यह उनका अधिकार है।
विपक्ष ने इस मुद्दे को लपक लिया है और कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर हिंदुओं को निशाना बनाने और जाति व धर्म के आधार पर लोगों को बाँटने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धारमैया के बयान पर पलटवार किया है। अशोक ने सिद्धारमैया को मुसलमानों से समानता

के मुद्दे पर सवाल उठाने की चुनौती दी। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी के नाम पर रखने के प्रस्ताव को स्वीकार करके विवाद खड़ा कर दिया था।
सेंट मैरी बेसिलिका में वार्षिक भोज में बोलते हुए, सिद्धारमैया ने आर्कबिशप पीटर मचाडो से शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा और अनुरोध पर उचित प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। भाजपा ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए मराठा प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र से भी तीखी प्रतिक्रिया आई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस फैसले की निंदा करते हुए इसे शिवाजी महाराज का अपमान बताया है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में बादल फटने से अचानक बाढ़ आई, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई जिससे पहाड़ी इलाकों में रहने वालों में डर और दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले की पोनी तहसील के मादी गांव में हुई, लेकिन किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।
एक आदिवासी ग्रामीण ने बताया, ''विस्फोट जैसी तेज आवाज हुई और कुछ ही देर में हमारे घर पानी में डूब गए।'' उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह लगभग तीन बजे बादल फटने की घटना हुई। ग्रामीण ने कहा, ''बाढ़ का पानी गांव में घुस गया और हम अपने बच्चों के साथ घरों से ऊपरी इलाकों की ओर भाग गए।''
अधिकारियों ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुष्टि की कि किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर भूस्खलन के चलते भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा जमा हो गया, जिसे बाद में लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों और मशीनरी द्वारा हटा दिया।

बिहार एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को कड़ा संदेश

अगर गड़बड़ी हुई होगी तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर देंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अगर उसे भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा अपनाई गई 'कार्यप्रणाली में कोई अवैधता' मिलती है, तो वह चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को 'रद्द' कर देगा। 7 अक्टूबर को दलीलों की अंतिम सुनवाई की तारीख तय करते हुए, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह इस मामले पर कोई 'टुकड़ों में राय' नहीं दे सकता और अंतिम फैसला पूरे देश में मतदाता सूची के लिए लागू होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने आगे कहा कि वह यह मानकर चलती है कि चुनाव आयोग, जो एक संवैधानिक संस्था है, पूरी बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कानून और अनिवार्य नियमों का पालन करेगा। शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के अपने उस आदेश को भी संशोधित करने से इनकार कर दिया जिसमें चुनाव आयोग को बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज़ के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था।
शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि ड्राइविंग लाइसेंस जाली हो सकते हैं... राशन कार्ड जाली हो सकते हैं। कई दस्तावेज़ जाली हो सकते हैं। आधार का इस्तेमाल कानून की अनुमति के अनुसार ही किया जाना चाहिए।' 'हम इस मामले पर 7 अक्टूबर को सुनवाई करेंगे। इस बीच, आप सभी अपनी दलीलों का एक संक्षिप्त नोट तैयार करें। 8 सितंबर को, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर अभियान में मतदाताओं के पहचान प्रमाण के रूप में आधार कार्ड को शामिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही, उसने मतदाताओं से आधार कार्ड स्वीकार न करने पर चुनाव अधिकारियों को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस पर भी चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण माँगा था। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा था कि आधार कार्ड जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और अधिनियम की धारा 23 (4) से अलग नहीं है।
अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि हम भारत के चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों को निर्देश देते हैं कि वे बिहार राज्य की संशोधित मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए आधार कार्ड को पहचान के प्रमाण के रूप में स्वीकार करें। इस उद्देश्य के लिए, अधिकारी आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज़ के रूप में मानेंगे।'

राजस्थान में जनहित से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें : मुख्यमंत्री

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि हर व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से त्वरित राहत दिलाना तथा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से सभी सुविधाएं एवं सेवाएं पहुंचाना हमारी सरकार का ध्येय है।
मुख्यमंत्री निवास में नियमित जनसुनवाई करते हुये शर्मा ने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य में पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील तंत्र विकसित किया गया है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।
अधिकारियों के अनुसार, शर्मा ने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।
मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला प्रशासन समस्याओं के निस्तारण के लिए निरंतर जनसुनवाई करे, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने कहा कि आमजन के हित से जुड़ी प्रत्येक समस्या को अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।

शीश महल सफेद हाथी जैसा, इस पर बर्बाद हुआ पैसा दिल्ली के खजाने में वापस लाया जाएगाः गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि शीश महल बंगला एक सफेद हाथी की तरह है और दिल्ली सरकार को अभी इसके भाग्य के बारे में फैसला करना बाकी है। यह बंगला अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके आधिकारिक आवास के रूप में इस्तेमाल किया गया था। गुप्ता ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केजरीवाल द्वारा इस पर बर्बाद किया गया पैसा दिल्ली के खजाने में वापस आ जाए। साल 2015 में जब आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में सरकार बनाई थी, तब से लेकर पिछले साल सितंबर में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तक केजरीवाल सिविल लाइंस इलाके में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले में रहते थे, जिसे भाजपा ने शीश महल का नाम दिया था।
'पांचजन्य' द्वारा आयोजित आधार

इन्फ्रा कॉन्फ्लुएंस 2025 को संबोधित करते हुए गुप्ता ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल पर बंगले के निर्माण पर दिल्ली के लोगों की गाढ़ी कमाई को बर्बाद करने का आरोप लगाया।
केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहने दौरान पुनर्निर्मित यह बंगला भ्रष्टाचार और महंगी आंतरिक साज-सज्जा तथा घरेलू सामान के आरोपों के कारण विवाद का केंद्र बन गया था।
गुप्ता ने कहा, यह दिल्ली सरकार के पास सफेद हाथी की तरह पड़ा है और हम सोच रहे हैं कि इसका क्या किया जाए। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि 2022 तक बंगले के पुनर्निर्माण पर 33.86 करोड़ रुपये खर्च हुए। हालांकि, भाजपा नेताओं ने दावा किया कि वास्तविक लागत 75-80 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।
दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि शीश महल पर सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी देखना दुखद है और उन्होंने कहा कि इस पर खर्च किया गया पूरा पैसा ब्याज सहित सरकारी खजाने में वापस लाया जाएगा।

वक्फ अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय का आदेश लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत : रीजीजू

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है।
उच्चतम न्यायालय ने अधिनियम के कई अहम प्रावधानों पर रोक लगा दी है, जिनमें वह धारा भी शामिल है, जिसमें केवल वैसे लोगों को

किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित करने की अनुमति दी गई थी, जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरा मानना है कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय हमारे लोकतंत्र के लिए एक बहुत अच्छा संकेत है।'' उन्होंने कहा कि अधिनियम के प्रावधान पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी हैं। मंत्री ने कहा, ''वक्फ बोर्ड के माध्यम से संपत्ति पर कब्जा करने सहित होने वाले दुरुपयोग पर अब इस नए कानून के जरिए रोक लगेगी। उच्चतम न्यायालय पूरे मामले से भलीभांति अवगत था।

महाराष्ट्र को मिला नया राज्यपाल

आचार्य देवव्रत ने राजभवन में ली पद और गोपनीयता की शपथ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को महाराष्ट्र के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। शपथ समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप-मुख्यमंत्री एकांत शिंदे भी शामिल हुए। आचार्य देवव्रत ने सीपी राधाकृष्णन का स्थान लिया है, जिन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था।

राष्ट्रपति सचिवालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद छोड़ने और भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद, भारत के राष्ट्रपति ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत

को उनके अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त, महाराष्ट्र के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है। इस बीच, एनडीए उम्मीदवार चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन (सीपी राधाकृष्णन) 9 सितंबर को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। उन्हें 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले।

चुनावों के बाद, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को भारत के उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद, उपराष्ट्रपति ने महात्मा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और चौधरी चरण सिंह की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में, उपराष्ट्रपति संसद भवन परिसर गए, जहाँ केंद्रीय मंत्रियों, उपसभापति हरिवंश और राज्यसभा के महासचिव ने उनका स्वागत किया।

घाटकोपर कार दुर्घटना मामला

जख्मी व्यक्ति ने आखिरकार 'राजावाड़ी' में दम तोड़ दिया

आरोपियों पर सदोष इरादतन हत्या का मामला दर्ज - मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हुई

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम के एलबीएस रोड पर शराब पीने के बाद कार के नीचे कुचले गए अज्ञात व्यक्ति की आखिरकार महानगर पालिका के राजावाड़ी अस्पताल में मौत हो गई है। घाटकोपर पुलिस ने अब इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। इस बीच, रविवार रात को गंभीर रूप से घायल और मरने वाले अज्ञात व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सतीश जाधव ने बताया कि घाटकोपर पुलिस स्टेशन की दो टीमें इसके लिए घाटकोपर, विक्रोली और कुर्ला इलाकों में जांच कर रही हैं। आरोपी भाविका हिरेन दामा और कोरम भानुशाली को शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि उनके एक साथी अनिकेत बनसोडे को बाद में गिरफ्तार कर रविवार को सुट्टीकालीन अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपियों को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हालांकि, घायल व्यक्ति की रविवार रात राजावाड़ी अस्पताल में मौत हो जाने के बाद घाटकोपर पुलिस ने अब भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। अज्ञात घायल व्यक्ति का वेंटिलेटर पर इलाज चल रहा था। हालांकि, चूंकि अभी तक कोई रिश्तेदार सामने नहीं आया है, इसलिए पुलिस ने आस-पास के इलाके के नागरिकों से उसकी पहचान करने की अपील की है, सतीश जाधव ने कहा। शनिवार सुबह 6:30 बजे दुर्घटना के बाद, पुलिस ने कार में पहले दो लोगों, भाविक हिरेन दामा और कोरम भानुशाली को हिरासत में ले लिया था। तीसरा आरोपी अनिकेत बनसोडे घटनास्थल से फरार हो गया था। इसका सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद पुलिस ने रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी घाटकोपर इलाके में रहते हैं। कार चालक भाविका हिरेन दामा भानुशाली वाडी में रहती है, अनिकेत बगल के हिस्से में रहता है और उसकी प्रेमिका कोरम महेश गोरी असल्फा गांव इलाके में रहती है अज्ञात व्यक्ति काफी देर तक गंभीर हालत में पड़ा रहा। हालाँकि, किसी भी आरोपी ने उसे अस्पताल में भर्ती नहीं कराया। हालाँकि, राहगीरों द्वारा पुलिस को इसकी सूचना देने के बाद, उसे राजावाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब आखिरकार उसकी मौत हो गई है। इस बीच, बताया जा रहा है कि तीनों आरोपी चेंबूर/तिलकनगर के शॉपर्स स्टॉप के पास एक क्लब में पार्टी करने के बाद निकले थे। दूसरी ओर, कहा जा रहा है कि उन्होंने भानुशाली वाडी में पार्टी की थी। इसलिए, पुलिस इस मामले की भी जाँच कर रही है। फिलहाल, एक सकारात्मक प्रारंभिक रिपोर्ट मिली है कि आरोपियों ने शराब पी थी, और अंतिम रिपोर्ट बाद में आएगी, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सतीश जाधव ने कहा।

कोपरखैरणे प्रभाग में अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग ने एक नोटिस जारी किया था, लेकिन संबंधित व्यक्तियों ने इस नोटिस पर ध्यान नहीं दिया। माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार और अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे तथा उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, अतिक्रमण विभाग ने कोपरखैरणे प्रभाग में अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की।

नवी मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में श्री संदीप जनार्दन पाटिल प्लॉट संख्या-25, सेक्टर-5, कोपरखैरणे, नवी मुंबई में निर्माण के लिए महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 54 के अंतर्गत 15-01-2025 को एक नोटिस जारी किया गया था। इस निर्माण के विरुद्ध आंशिक रूप से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई और 25,000/- रुपये का जुर्माना वसूला गया।

कोपरखैरणे विभाग द्वारा उक्त अनाधिकृत निर्माण पर तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। इस तोड़फोड़ अभियान में कोपरखैरणे विभाग के सहायक आयुक्त श्री भरत यू. धांडे, कनिष्ठ अभियंता श्री चंद्रकांत धोत्रे एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी तथा न.म.म.प. पुलिस बल उपस्थित थे। साथ ही, उक्त कार्रवाई के लिए 4 मजदूर, 02 इलेक्ट्रॉनिक हथौड़े, 01 पिकअप वैन, 01 जे.सी.बी. का उपयोग किया गया।

आगे भी इसी प्रकार अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई तेज की जाएगी।

डिजिटल बनें... स्मार्ट यात्रा करें

पश्चिम रेलवे द्वारा आरक्षण और टिकट बुकिंग सेवाओं हेतु डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने और यात्रियों को सुविधाजनक टिकटिंग विकल्प प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में अपने नेटवर्क में आरक्षित और अनारक्षित दोनों टिकट बुकिंग काउंटरों पर डिजिटल भुगतान सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला लागू की गई है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आधुनिक डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण ने यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग को और अधिक सुविधाजनक और सुलभ बना दिया है। अब वे मोबाइल ऐप, क्यूआर कोड-आधारित टिकटिंग और अन्य डिजिटल भुगतान विधियों सहित विभिन्न कैशलेस और संपर्क रहित विकल्पों के माध्यम से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, त्वरित और परेशानी मुक्त डिजिटल भुगतान चुनने के लिए प्रोत्साहित करना है। पश्चिम रेलवे कई उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है जो यात्रियों को आसानी से और सुरक्षित रूप से अपनी टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करते हैं, जैसेः- क्यूआर कोड उपकरणः पश्चिम रेलवे के 1137 टिकट काउंटरों पर स्थापित, जिनमें यूटीएस, पीआरएस और यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटर शामिल हैं, त्वरित और निर्बाध डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाते हैं। यात्री किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप से प्रदर्शित क्यूआर कोड को आसानी से स्कैन कर सकते हैं और तुरंत कैशलेस भुगतान कर सकते हैं - नकदी ले जाने की चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं। पीओएस मशीनेंः पीआरएस, यूटीएस और यूटीएस-सह-पीआरएस काउंटरों पर उपलब्ध हैं, जिससे यात्री अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड को स्वाइप या टैप करके आसानी से अपने टिकट का भुगतान कर सकते हैं, जिससे त्वरित और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होता है। यूपीआई भुगतानः सभी पीआरएस और यूटीएस काउंटरों पर सक्षम, यह सुविधा यात्रियों को टिकट खरीदते समय काउंटर पर अपना यूपीआई वर्चुअल भुगतान पता साझा करने और सीधे अपने यूपीआई ऐप पर भुगतान अनुरोध

को अधिकृत करने की अनुमति देती है, जिससे लेनदेन कुछ ही सेकंड में पूरा हो जाता है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐपः यह ऐप यात्रियों को सीधे अपने स्मार्टफ़ोन से अनारक्षित और सीज़न टिकट आसानी से बुक करने की सुविधा देता है, जिससे बुकिंग काउंटर पर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। यह ऐप पेपर और पेपरलेस, दोनों तरह के टिकट विकल्प प्रदान करता है। पेपर टिकट कहीं से भी बुक किए जा सकते हैं और यात्रा शुरू करने वाले स्टेशन पर किसी भी ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ऊन्त्र) या यूटीएस काउंटर पर प्रिंट किए जा सकते हैं, जबकि पेपरलेस टिकट बिना किसी काउंटर या एटीवीएम पर जाए पूरी तरह से डिजिटल रूप से प्राप्त किए जा सकते हैं, क्योंकि बाहरी बुकिंग सीमा हटा दी गई है। हैंडसेट की जीपीएस लोकेशन के आधार पर, आंतरिक बुकिंग सीमा 20 से 50 मीटर के बीच निर्धारित की गई है और यह उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों तरह के टिकटों पर लागू होती है।

स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (ऊन्त्र): रिचार्जेबल स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके उपनगरीय और गैर-उपनगरीय स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट खरीदने के लिए एटीवीएम लंबे समय से एक लोकप्रिय विकल्प रही हैं। नए क्यूआर कोड भुगतान सुविधा के साथ, टिकट खरीदना और भी आसान हो गया है। यात्री एटीवीएम पर अपना टिकट बुक कर सकते हैं, किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप का उपयोग करके प्रदर्शित क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं, डिजिटल रूप से भुगतान कर सकते हैं और तुरंत अपना टिकट प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें पूरी तरह से कैशलेस, स्व-सेवा टिकटिंग अनुभव मिलता है। श्री विनीत अभिषेक ने बताया कि ये सुविधाएँ पश्चिम रेलवे के उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। ये पहल यात्रियों के लिए टिकटिंग को आसान, तेज़ और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ नकदी पर निर्भरता कम करने और एक सुगम, कतार-मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। ये सुविधाएँ सुरक्षित, सुविधाजनक और संपर्क रहित टिकटिंग समाधानों को अपनाने को प्रोत्साहित करके भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल में भी योगदान देती हैं।

ऐरोली संभाग में अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद, संबंधितों ने नोटिस का संज्ञान नहीं लिया। माननीय आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के निर्देशानुसार और अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलाश गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, अतिक्रमण विभाग ने नवी मुंबई नगर निगम विभाग के माध्यम से ऐरोली संभाग में अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की।

रत्नप्रभा कदम और मद्रु कुपाया राग्या ने नवी मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में जी संभाग ऐरोली कार्यालय के अंतर्गत बी-86, सेक्टर-03, ऐरोली, नवी मुंबई और जे-26, सेक्टर-03, ऐरोली, नवी मुंबई में अवैध रूप से निर्माण कार्य शुरू किया था।

रत्नप्रभा कदम, बी-86, सेक्टर-03,

ऐरोली, नवी मुंबई और श्री. मद्रु कुपाया राग्या, जे-26, सेक्टर-03, ऐरोली, नवी मुंबई को महाराष्ट्र क्षेत्रीय योजना एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 53(1ए)/54 के अंतर्गत अनाधिकृत निर्माण के लिए जी विभाग कार्यालय द्वारा नोटिस जारी किया गया है। संबंधित व्यक्तियों द्वारा किए गए अनाधिकृत निर्माण को स्वयं हटाना आवश्यक था। लेकिन उन्होंने अनाधिकृत निर्माण जारी रखा था। सुनील कथोले, षष्ठम आयुक्त एवं ऐरोली के प्रभागीय अधिकारी के नेतृत्व में एक तोड़फोड़ अभियान चलाकर उक्त अनाधिकृत निर्माण को हटाया गया। साथ ही, उक्त कार्रवाई के अंतर्गत उक्त निर्माण के धारक से ?25000/- प्रति इकाई की दर से कुल ?50,000/- का जुर्माना वसूला गया है। इस छापेमारी के लिए जी-विभाग कार्यालय के अतिक्रमण विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, मजदूर 07, ब्रेकर-2, गैसकटर-1, के साथ-साथ अतिक्रमण विभाग की पुलिस भी तैनात थी। भविष्य में भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई इसी प्रकार तेज की जाएगी।

भारी बारिश के कारण मालगाड़ी रुकी, मध्य रेलवे की उपनगरीय ट्रेन सेवाएं प्रभावित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मध्य रेलवे मार्ग पर एक मालगाड़ी के पटरी पर फंस जाने के कारण, पहले से ही देरी से चल रहीं लोकल ट्रेन सेवाएं और ज्यादा प्रभावित हो गईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जिले में भारी बारिश के कारण पहले से ही ट्रेन सेवाएं प्रभावित हैं। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि अपराह्न करीब 12.55 बजे पहिया फिसलने के कारण बादलपुर और अंबरनाथ रेलवे स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी रुक गई। प्रवक्ता ने कहा, ''बारिश और पहिया फिसलने के कारण ट्रेन सीएसएमटी जाने वाले ट्रैक पर रुक गई है। एक

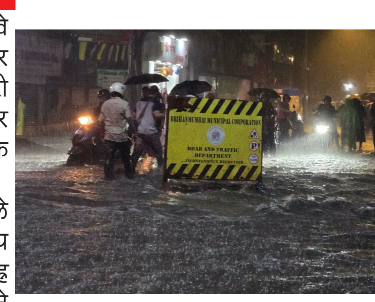

सहायक इंजन भेजा गया है और उसे आगे बढ़ाया जा रहा है।''

दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) जाने वाली लोकल ट्रेनों में यात्री फंस गए जिसके कारण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ बढ़ गई। दादर, बायकुला, मस्जिद, कुर्ला, सायन और अन्य रेलवे स्टेशनों के पास निचले इलाकों में भारी बारिश के परिणामस्वरूप पटरियों पर और पानी जमा होने के कारण सुबह से ही स्थानीय ट्रेनें, विशेष रूप से मुख्य लाइन (सीएसएमटी से कसारा) पर देरी से चल रही था।

रेलवे पुलिस ने जनवरी से अब तक साढ़े नौ हजार अपराध दर्ज किए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। जनवरी से अब तक रेलवे पुलिस ने मुंबई के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के अंदर और बाहर हुए 9 हजार 380 अपराध दर्ज किए हैं। रेलवे पुलिस के अनुसार, इनमें से 3 हजार 205 अपराध सुलझाए जा चुके हैं और शेष अपराधों की जांच की जा रही है। इन रेलवे स्टेशनों और रेलवे सीमा के भीतर 279 अपराध और सीमा के बाहर 1 हजार 36 अपराध हुए हैं।

इनमें से मध्य परिमंडल के विभिन्न पुलिस थानों में 166 अपराध, सीमा के भीतर 166 अपराध और सीमा के बाहर 660 अपराध हुए हैं। जबकि पश्चिम परिमंडल में यह संख्या सीमा के भीतर 113 और सीमा के बाहर 376 है।

मुंबई रेलवे पुलिस आयुक्तालय के मध्य क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर 758, दादर में 1059, कुर्ला में 996, ठाणे में 1015, डोंबिवली में 147, कल्याण में 1306, नवनिर्मित आसनगांव रेलवे स्टेशन पर 5, कर्जत में 135, वडाला में 333, नवनिर्मित कुर्ला तिलक स्टेशन पर 60, वाशी में 274, पनवेल में 153 और नवनिर्मित रत्नागिरी रेलवे स्टेशन पर 10 अपराध दर्ज किए गए हैं। वहीं, पश्चिम क्षेत्र में चर्चगेट रेलवे स्टेशन पर 135, मुंबई सेंट्रल में 566, बांद्रा में 459, अंधेरी में 337, बोरीवली रेलवे स्टेशन पर सबसे अधिक 1030, वसई रोड पर 482 और पालघर रेलवे स्टेशन पर 132 अपराध दर्ज किए गए हैं।

मुंबई हवाई अड्डे से 67 विदेशी वन्य जीव बरामद, एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने 67 विदेशी वन्यजीवों को छिपाकर लाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि थाईलैंड के बैंकॉक से आया यात्री रविवार तड़के पकड़ा गया। उन्होंने बताया, ''इसमें तेंदुआ कछुआ (कछुए के शरीर में तेंदुए की तरह धब्बे होते हैं), कछुआ समेत अन्य जीव शामिल थें। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत इन जीवित प्रजातियों के निर्वासन का आदेश जारी किया और जानवरों को वापस बैंकॉक भेज दिया गया।'' अधिकारी ने बताया कि गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'रेसक्विंक एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर' के वन्यजीव बचाव विशेषज्ञों ने जीवों के तत्काल बचाव, पहचान, उपचार और स्थिरीकरण में सहायता की।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस ⇄ बरौनी/रीवा के बीच त्यौहार विशेष ट्रेनों का संचालन

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09061	बांद्रा टर्मिनस - बरौनी (साप्ताहिक विशेष)	22.09.2025 to 06.10.2025	21:20 hrs (सोमवार)	19:15 hrs (बुधवार)
09062	बरौनी - बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक विशेष)	25.09.2025 to 09.10.2025	12:15 hrs (गुरुवार)	06:30 hrs (शनिवार)

हॉल्टः बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सूर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशन।

संरचनाः एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09029	बांद्रा टर्मिनस - रीवा (अनारक्षित विशेष)	18.09.2025 to 27.11.2025	04:30 hrs (गुरुवार)	07:45 hrs (अगले दिन)
09030	रीवा - बांद्रा टर्मिनस (अनारक्षित विशेष)	19.09.2025 to 28.11.2025	11:00 hrs (शुक्रवार)	14:00 hrs (अगले दिन)

हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, मदन महल, कटनी, मैहर और सतना स्टेशन।

संरचनाः सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09061 की बुकिंग 17.09.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

5 लाख रुपये से अधिक के उपचारों के लिए एक कोष का प्रावधान- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उपचारों की संख्या 1,356 से बढ़ाकर 2,399 की जाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में राज्य में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के संयुक्त अंतर्गत 2,399 नए उपचारों को मंज़ूरी दी गई। 5 लाख रुपये से अधिक के अंग प्रत्यारोपण उपचारों के लिए एक कोष बनाने को भी मंज़ूरी दी गई।

इस संयुक्त योजना के कार्यान्वयन के नीतिगत पहलुओं पर निर्णय लेने हेतु गठित राज्य स्वास्थ्य गारंटी सोसाइटी की नियामक परिषद की बैठक वर्षा के सरकारी आवास पर हुई। ये निर्णय उसी समय लिए गए। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, राज्य मंत्री माधुरी मिसाल उपस्थित थीं। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर, महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

लोक स्वास्थ्य सचिव वीरेंद्र सिंह, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अन्नासाहेब चव्हाण ने जनवरी से सितंबर 2025 तक की अवधि के दौरान प्राप्त प्रमुख उद्देश्यों और योजना में उपचारों की सूची में सुधार के लिए नियुक्त अध्ययन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि महात्मा फुले और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, दोनों में सूचीबद्ध

अस्पतालों की तालुकावार मैपिंग की जानी चाहिए। यदि संबंधित तालुका में 30 बिस्तरों वाला कोई अस्पताल नहीं है, तो ऐसे स्थानों पर उपलब्ध अस्पतालों को योजना का लाभ प्रदान करके शुल्क भुगतान के लिए एक अलग व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। साथ ही, निजी अस्पतालों को आमंत्रित किया जाना चाहिए और ऐसे तालुकाओं में 30 बिस्तरों वाले अस्पताल शुरू करने की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आरोग्य मित्रों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

ऐप बनाकर चैटबॉट के माध्यम से योजना की जानकारी दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि जन आरोग्य योजना में शामिल अस्पतालों को समय पर भुगतान किया जाना चाहिए। ताकि वे अस्पताल मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान कर सकें। साथ ही, इस योजना के तहत उपचार, अस्पतालों और लाभों की जानकारी प्राप्त करने के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ऐप बनाया जाना चाहिए। इसमें चैटबॉट के माध्यम से सभी जानकारी प्राप्त करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग ने पिछले छह महीनों में अपने कार्यों में बहुत तेज़ गति से सुधार करके बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि योजना के क्रियान्वयन के लिए और अधिक तेज़ी और पारदर्शिता से काम किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में राज्य देश में शीर्ष तीन में शुमार हो।

इस अवसर पर पाँच लाख से अधिक के उपचारों के लिए एक अलग कॉर्पस फंड स्थापित करने और इस फंड से हृदय प्रत्यारोपण, फेफड़े प्रत्यारोपण, गुर्दा प्रत्यारोपण, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण आदि सहित नौ विभिन्न उपचार प्रदान करने की सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया।

महात्मा फुले जन आरोग्य और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उपचारों की मंज़ूरी में लगने वाला समय कम किया जाए, और जनता को यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए कि कौन से अस्पताल दोनों योजनाओं का लाभ देते हैं और कौन से उपचार उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों के लिए बिस्तर की सीमा कम की जाए और 20 से कम बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पतालों को इस योजना में शामिल किया जाए।

'महाराष्ट्र के पर्यटन स्थल आपकी नज़र से' पहल में प्रथम विजेता को पाँच लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा- पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि 'महाराष्ट्र के पर्यटन स्थल आपकी नज़र से' पहल में ट्रैवल फ़ोटोग्राफ़रों द्वारा ली गई चयनित तस्वीरों के प्रथम विजेता को ट्रैवल फ़ोटोग्राफ़ी के माध्यम से राज्य के पर्यटन स्थलों के प्रचार और लोकप्रियता के लिए पाँच लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम की 175वीं निदेशक मंडल बैठक सह्याद्री अतिथि गृह में आयोजित की गई। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई बोल रहे थे। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव अतुल पाटने, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नीलेश गटने, पर्यटन निदेशक डॉ. बी.एन. पाटिल, महाप्रबंधक चंद्रशेखर जायसवाल, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी जितेंद्र सोनवणे, कंपनी सचिव वर्षा चव्हाण, कानूनी सलाहकार संजय ढेकाने उपस्थित थे।

पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि महाराष्ट्र के पर्यटन स्थलों की सुंदरता, विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को बड़े पैमाने पर प्रचारित और प्रसारित करने के लिए 'महाराष्ट्र डेस्टिनेशन्स थ्रू योर लेंस' पहल लागू की जा रही है। यह बहुत अच्छा है। इस पहल में अधिकतम पर्यटन प्रेमियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, प्रथम विजेता को 2.50 लाख रुपये के बजाय 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के अधिकार क्षेत्र में सभी रिसॉर्ट्स को आय के अनुसार वर्गीकृत किया जाना चाहिए। रिसॉर्ट्स की आय बढ़ाने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। पायलट आधार पर शुरू किए जाने वाले पर्यटन सुरक्षा बल के निर्माण के लिए वाहन प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। आवास कार्य, व्यवसाय विकास, प्रचार के क्षेत्रों में निगम द्वारा शुरू की गई नई पहलों में तेजी लाई जानी चाहिए। क्रूज पर्यटन विकास, जिम्मेदार पर्यटन, डेटा-आधारित योजना, पीएम गतिशक्ति पहल के अनुरूप पर्यटन परियोजनाओं का समन्वय और नियोजन किया जाना चाहिए। विकसित महाराष्ट्र 2047 के तहत गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी नीति अपनाई जाए और गुलदार परियोजना का काम तेज़ गति से किया जाए। उन्होंने महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के कामकाज की भी समीक्षा की।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया

भारी बारिश के मद्देनजर राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जिला प्रशासन सतर्क रहे-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई सहित राज्य में भारी बारिश की पृष्ठभूमि में, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंत्रालय स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया और बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिया कि बीड जिले के आष्टी पाथर्डी तालुका के कुछ गाँवों में बाढ़ के पानी के कारण फंसे 40 ग्रामीणों को एनडीआरएफ की मदद से हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया जाए। इस दौरान, उन्होंने भारी बारिश से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों से बातचीत की और राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली तथा जिला प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन सोना, कार्य केंद्र के निदेशक डॉ. भालचंद्र चव्हाण आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. चव्हाण ने राज्य की स्थिति की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने पुणे, छत्रपति संभाजीनगर और मुंबई नगर निगम के अधिकारियों से फ़ोन पर बात की और उनसे बारिश की स्थिति के बारे में जाना। उन्होंने मुंबई में जहाँ भी जलभराव की शिकायतें हैं, वहाँ अतिरिक्त जनशक्ति तैनात करने और जल्द से जल्द पानी निकालने के लिए पंप लगाने के भी निर्देश दिए।

पुणे और राज्य के अन्य स्थानों में बारिश की समीक्षा। अष्टी पाथर्डी तालुका के कुछ गाँव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं, जिससे 40 ग्रामीण फँस गए हैं। संभाजीनगर के ज़िला कलेक्टर ने कहा कि उन्हें एनडीआरएफ की मदद से हवाई मार्ग से बाहर निकालना होगा। तदनुसार, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने नासिक से एक हेलीकॉप्टर बुलाने और फँसे हुए लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसी कक्ष से छत्रपति संभाजीनगर संभाग के संभागीय आयुक्त से भी बातचीत की।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इस अवसर पर कहा कि जिला प्रशासन भारतीय मौसम विभाग द्वारा अगले पांच दिनों के लिए दिए गए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर आपदा नियंत्रण हेतु एहतियात बरतें। डॉ. चव्हाण ने बताया कि पिछले 24 घंटों में सचेत ऐप के माध्यम से राज्य भर में 35 करोड़ वर्षा चेतावनी संदेश भेजे गए हैं।

मध्य रेल द्वारा को सोलापुर मंडल पर सफलतापूर्वक अपना पहला 'कवच' परीक्षण

मध्य रेल पर पहला 'कवच' प्रशिक्षण केंद्र संचालित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना ने दिनांक 14.09.2025 को सोलापुर मंडल में 'कवच' प्रणाली के सफल लोको परीक्षणों का नेतृत्व किया।

सोलापुर मंडल के ढवलस और भालवनी स्टेशनों के बीच 26 किलोमीटर के क्षेत्र में किया गया यह सफल परीक्षण मध्य रेल पर पहला 'कवच' परीक्षण है और रेलवे संरक्षा बढ़ाने तथा सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि है।

मध्य रेल के प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर मनिंदर सिंह उप्पल, सोलापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. सुजीत मिश्रा और मुख्यालय एवं सोलापुर मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी परीक्षण के दौरान उपस्थित थे।

लोको परीक्षणों के दौरान, कवच प्रणाली की महत्वपूर्ण सुरक्षा विशेषताओं का परीक्षण किया गया, जिनमें शामिल हैं:

स्टॉप सिग्नल पर SPAD (सिग्नल पास एट डेंजर) परीक्षण

ब्लॉक सेक्शन SOS (आपातकालीन) जनरेशन

स्टेशन मास्टर SOS (आपातकालीन) जनरेशन

टर्नआउट पर ओवरस्पीड रोकथाम।

कुर्दुवाड़ी में मध्य रेल के पहले कवच स्टिमुलेशन लैब और प्रशिक्षण केंद्र को एक नए एफएटी सेटअप के साथ संचालित किया गया, जिससे कवच और भविष्य की तकनीकों का एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर कठोर

प्रशिक्षण और उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिला।

इस अवसर पर बोलते हुए, धर्म वीर मीना ने इस उपलब्धि के महत्व पर जोर दिया: 'सोलापुर मंडल में कवच का सफल परीक्षण इस स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली के क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह यात्री सुरक्षा और परिचालन दक्षता के उच्चतम स्तर को सुनिश्चित करने पर भारतीय रेल के अटूट ध्यान को दर्शाता है।'

मध्य रेल में कवच के कार्यान्वयन हेतु निविदा दिनांक 30/3/2025 को प्रदान की गई थी और सोलापुर मंडल में 6 महीने से भी कम समय में लोको परीक्षणों का सफलतापूर्वक संचालन अत्यंत सराहनीय है।

सोलापुर मंडल ने सफल परीक्षण के लिए समर्पित प्रयास किए हैं, जिसकी व्यापक रूप से सराहना की गई है।

मीना ने कुर्दुवाड़ी में उन्नत सुविधाओं से युक्त एक पुनर्निर्मित लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर रनिंग रूम, अल्ट्रा सोनिक फ्लॉलेस डिटेक्शन बिल्डिंग और एक उन्नत गैंग हट का भी निरीक्षण किया।

कवच प्रणाली भारतीय रेल की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य सुरक्षा बढ़ाना है। यह स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है जिसे सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी), ओवरस्पीडिंग और टकरावङ को रोककर रेलवे सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह रेडियो लिंकङ के माध्यम से स्टेशन उपकरणों और ऑन-बोर्ड इकाइयों के बीच सिग्नलिंग सूचना और लोकोमोटिव स्थान के वास्तविक समय के आदान-प्रदान के माध्यम से काम करता है। ङयह प्रणाली मूवमेंट अथॉरिटी सीमाओं और गति प्रतिबंधों को लागू करने के लिए इस डेटा को संसाधित करती है, जिससे सुरक्षित और अधिक कुशल ट्रेन संचालन सुनिश्चित होता है।

मध्य रेल कवच के कार्यान्वयन पर युद्ध स्तर पर काम कर रहा हैङ। ङपूरे क्षेत्रीय नेटवर्क के लिए कवच के कार्यान्वयन हेतु निविदाएं आमंत्रित करने वाला यह पहला रेलवे होने का गौरव प्राप्त है।

महाप्रबंधक ने दिनांक 25.08.2025 को कल्याण स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड में कवच प्रणाली से सुसज्जित 50वें लोकोमोटिव को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुंबई मंडल ने रेल सुरक्षा बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की और सुरक्षित, विश्वसनीय और कुशल रेल परिचालन के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने के मध्य रेल के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

भारतीय रेल बेहतर सुरक्षा और स्वचालन (ऑटोमेशन) के प्रति ।अपनी प्रतिबद्धता के तहत कवच को मिशन मोड में लागू कर रही है। रेलवे बोर्ड ने पहले चरण में मध्य रेल के 730 लोकोमोटिव में कवच के प्रावधान को मंजूरी दी है और मध्य रेल के लोको शेड में फिटिंग का काम प्रगति पर है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी लोकोमोटिव अंततः इस उन्नत सुरक्षा प्रणाली से लैस होंगे।

महाप्रबंधक ने दिनांक 04.09.2025 को भुसावल मंडल में मध्य रेल के पहले अत्याधुनिक एकीकृत कवच नियंत्रण केंद्र का भी निरीक्षण किया।

यह आधुनिक सुविधा भुसावल मंडल के 134 स्थानों पर कवच प्रणाली की निगरानी और पर्यवेक्षण का केंद्रीय सेंटर है। उन्नत तकनीकों और एक समर्पित नेटवर्क मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएस) से सुसज्जित, यह सेंटर वास्तविक समय पर्यवेक्षण को सक्षम बनाता है, परिचालन दक्षता में भी वृद्धि करता है और ट्रेन परिचालन के लिए संरक्षा उपायों को मजबूत करता है। प्रत्येक उपलब्धि के साथ, मध्य रेल संरक्षा और परिचालन दक्षता को मजबूत करने की अपनी निरंतर यात्रा में यात्रियों की बढ़ी हुई सुरक्षा और आरामदायक यात्रा के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने और लागू करने में अग्रणी बन गया है।

जाली दस्तावेजों के जरिए जमीन की खरीद-फरोख्त की कोशिश के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक मृत व्यक्ति

के नाम पर नकली दस्तावेज तैयार कर जमीन की खरीद-फरोख्त की कोशिश करने के आरोप में गुजरात के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि मीरा भायंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस की एक टीम ने जाल बिछाकर 12 सितंबर को मीरा रोड (पूर्व) के पेणकरपाडा इलाके से तीनों को गिरफ्तार कर लिया, जिनमें से एक प्रॉपर्टी एजेंट है। उन्होंने बताया कि मनीष धरनीधर शाह नामक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है, जो उस जमीन के वैध उत्तराधिकारी हैं। अधिकारी ने कहा, 'शिकायतकर्ता के पिता, दिवंगत धरणीधर खीमचंद शाह (डी.के. शाह) ने 1978 में यह जमीन खरीदी थी। 1994 में उनके निधन के बाद, यह संपत्ति उनके बेटे और परिवार को हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, आरोपियों ने कथित तौर पर 'डी.के. शाह' के संक्षिप्त नाम का दुरुपयोग किया और फर्जी प्राधिकरण पत्र, विशेष पावर ऑफ अटॉर्नी और अन्य दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी से जमीन बेचने की कोशिश की।' उन्होंने बताया कि भावनगर के एक प्रॉपर्टी एजेंट धर्मेशभाई केशवजी शाह ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हुए सूरत के खरीदारों विनुभाई पोपटभाई रवानी और अमृतभाई प्रेमजीभाई रमानी के साथ उस जमीन को बेचने का समझौता किया। अधिकारी ने बताया कि तीनों आरोपी कई महीनों से फरार थे और उन्हें तकनीकी निगरानी की मदद से पकड़ लिया गया।

ठाणे में एमएसीटी ने दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 62.19 लाख रुपये मुआवजे का आदेश दिया

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने वर्ष 2019 में एक टैंकर के कारण सड़क दुर्घटना में मारे गए कार सवार 39 वर्षीय व्यक्ति के परिवार को 62.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

एमएसीटी सदस्य आर वी मोहिते ने टैंकर मालिक और बीमाकर्ता कंपनी 'द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी' को याचिका की तारीख से नौ प्रतिशत ब्याज के साथ संयुक्त रूप से और अलग-अलग मुआवजा देने का निर्देश दिया। यह आदेश 11 सितंबर को पारित हुआ था जिसकी प्रति रविवार को उपलब्ध कराई गई। मृतक व्यक्ति के परिवार ने शुरू में एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने का अनुरोध किया था। पीड़ित मोहन शिरोशे 10 सितंबर, 2019 को कल्याण-नगर राजमार्ग पर कार से जा रहे थे तभी दूध ले जा रहा एक टैंकर तेज गति के साथ के गलत दिशा में मुड़ा और उनके वाहन से टकरा गया। टक्कर के कारण कार घूम गई और एक अन्य वाहन से टकरा गई। टैंकर चालक घटनास्थल से भाग गया, जबकि शिरोशे को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। याचिकाकर्ताओं, जिनका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता पी.एम. टिल्लू ने किया, ने तर्क दिया कि दुर्घटना टैंकर चालक की लापरवाही के कारण हुई।

बिग ट्रैवल एक्सपो 2025 में आईआरसीटीसी वेस्ट ज़ोन को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

मुंबई(संवाददाता) । बिग ट्रैवल एक्सपो 2025, जो 13 और 14 सितम्बर को आर सिटी मॉल, घाटकोपर में आयोजित हुआ, में मुंबई के यात्रा प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज़्म कॉरपोरेशन (IRCTC), वेस्ट ज़ोन, मुंबई ने अपने विस्तृत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पैकेज प्रदर्शित किए। इस सहभागिता का नेतृत्व गौरव झा, ग्रुप जनरल मैनेजर, IRCTC वेस्ट ज़ोन के मार्गदर्शन और सुभाष नायर, प्रबंधक/पर्यटन की देखरेख में किया गया।

आईआरसीटीसी स्टॉल को भारी संख्या में आगंतुकों ने देखा, जहाँ लोगों ने किफायती और आकर्षक पैकेजों में गहरी रुचि दिखाई। कई आगंतुकों ने चल रहे और आगामी पर्यटन पैकेजों के लिए पंजीकरण भी किया।

इस अवसर पर डॉ. ए.के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, IRCTC वेस्ट ज़ोन, मुंबई ने कहाः

हमें यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि बिग ट्रैवल एक्सपो में हमारे पर्यटन पैकेजों को जबरदस्त प्रतिसाद मिला। आईआरसीटीसी भविष्य में भी

ऐसे आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेता रहेगा, ताकि ग्राहकों तक आकर्षक और किफायती यात्रा विकल्प पहुँचाए जा सकें।'

सम्पादकीय

वक्फ संशोधन विधेयक पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले में छिपा है संतुलन और संवैधानिकता का संदेश

सुप्रीम कोर्ट ने वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर दिए गए अपने अंतरिम आदेश में एक बार फिर भारतीय न्यायपालिका की उस परंपरा को दोहराया है, जिसमें संसद द्वारा बनाए गए कानून को संवैधानिक रूप से वैध मानने की धारणा सर्वोपरि होती है। न्यायालय ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इंकार किया, लेकिन कुछ प्रमुख प्रावधानों पर अस्थायी रोक लगाकर यह संदेश दिया कि कानून बनाने की प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वक़्फ़ परिषदों और बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या सीमित रहनी चाहिए। केंद्रीय वक़्फ़ परिषद में चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य न हों और राज्य स्तर पर भी इसी प्रकार की सीमा लागू हो। देखा जाये तो यह निर्णय एक संवेदनशील धार्मिक संस्था के चरित्र को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि प्रशासनिक दृष्टि से गैर-मुस्लिम को सीईओ बनाना पूरी तरह असंवैधानिक नहीं है, लेकिन 'जहाँ तक संभव हो' मुस्लिम सीईओ की नियुक्ति ही की जानी चाहिए।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगाई, जिसके तहत सरकार किसी भूमि विवाद के दौरान वक़्फ़ संपत्ति को डिरेकोग्नाइज़ कर सकती थी। यह प्रावधान 'ड्रिूंदह द ज्दी' (शक्तियों का पृथक्करण) के सिद्धांत के विरुद्ध माना गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संपत्ति का अधिकार और स्वामित्व तय करने का अधिकार केवल न्यायाधिकरणों और अदालतों का है, न कि कार्यपालिका का। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जब तक विवाद का अंतिम निपटारा नहीं होता, तब तक वक़्फ़ भूमि पर कोई तृतीय पक्ष अधिकार न बनाया जाए।

हम आपको बता दें कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की पीठ ने इस आदेश में एक बुनियादी सिद्धांत रेखांकित किया– संसद के कानूनों को 'प्रथम दृष्टया' वैध मानना चाहिए और केवल असाधारण परिस्थितियों में ही उन पर रोक लगनी चाहिए। यह विचार लोकतंत्र में संसद की सर्वोच्चता और न्यायपालिका की निगरानी–दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।

देखा जाये तो यह आदेश केवल वक़्फ़ कानून तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक विमर्श का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन, अल्पसंख्यक अधिकारों और संविधानिक संतुलन के प्रश्न जुड़े हैं। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुसांस्कृतिक समाज में कानून बनाना मात्र एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द का संवेदनशील प्रयास भी है।

फैसले को देखें तो सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न तो वक़्फ़ बोर्डों की स्वायत्तता को पूरी तरह नकारता है और न ही सरकार को असीमित अधिकार देता है। यह एक संवैधानिक सेफगार्ड है, जो यह सुनिश्चित करता है कि संसद द्वारा बनाए गए कानून न्याय की कसौटी पर खरे उतरें। अंतिम सुनवाई में जो भी फैसला आएगा, वह न केवल वक़्फ़ संस्थानों के भविष्य को प्रभावित करेगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि भारत में धार्मिक संपत्तियों और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे साधा जाए।

जीएसटी दरों के कम हो जाने का लगभग 400 वस्तुओं पर पड़ेगा असर
अमेरिका टैरिफ के बावजूद भारत के आर्थिक विकास की गति नहीं होगी धीमी

इस समय यह उम्मीद विरोधाभास से भरी हुई लगती है कि सरकार अपने प्रयासों से महंगाई पर नियंत्रण पा लेगी और बाजारों में वस्तुओं का सस्ता दौर आ जाएगा। विरोधाभास इसलिए कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में बरसात और बाढ़ के कारण जानमाल का व्यापक नुकसान हुआ है और उत्पादित वस्तुएं उचित परिवहन के अभाव में नष्ट हो रही हैं। ऐसे में यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि सरकार की महंगाई नियंत्रण और सस्ते दिन ले आने की परिकल्पना सही साबित होगी। मगर देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार यह कहते हैं कि अमेरिका की ओर से भारत के निर्यात पर भारी शुल्क लगा देने के बावजूद देश में आर्थिक विकास की गति धीमी नहीं होगी या उसी तरह बनी रहेगी।

यह भी कहा जाता है कि इस वर्ष की पहली तिमाही में देश के आर्थिक विकास की गति 7.8 फीसद से आठ फीसद तक रही, तो यह एक उम्मीद और राहत भरी बात है। जिस तरह घरेलू निवेशकों का रुख देश के उत्पादन और निवेश को निरुत्साह न होने देने का है, इसी प्रकार सरकार पूंजीगत निवेश के साथ एक ऐसा नया ढांचा बनाने की कोशिश कर रही है, जिससे आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

कल्पना चाहे कितनी भी लुभावनी क्यों न हो, लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने वक्तव्यों में भारत के प्रति कभी हां और कभी न की नीति पर चलते हुए पचास फीसद शुल्क को घटाने के लिए फिलहाल तैयार नजर नहीं आते हैं। उनके आर्थिक सलाहकारों के बयान भी यही आ रहे हैं कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदकर और उसे परिशोधित करके यूरोप तथा

तीसरी दुनिया के देशों को बेचकर इतना लाभ कमाया है कि उस पर दंड स्वरूप यह शुल्क लगना ही चाहिए।

मगर भारत सरकार ने अमेरिकी शुल्क से अपने निर्यात उद्योगों को हतोत्साह होने से बचाने के लिए जीएसटी दरों में सुधार के जरिए कर में राहत दी है। अब कर की दो दरें पांच फीसद और अठारह फीसद है। बारह और अट्ठाईस फीसद की कर श्रेणी को खत्म कर दिया गया है। जीएसटी प्रणाली देश में एक जुलाई 2017 को लागू की गई थी। अब आठ साल बाद भले ही इसमें व्यापक सुधार किया गया है, लेकिन इससे निवेश घटने की आशंका भी बनी रहेगी।

सरकार को उम्मीद है कि जीएसटी दरों के कम हो जाने का असर लगभग 400 वस्तुओं पर पड़ेगा। जब कर घटेंगे तो निवेश की प्रतिस्पर्धी ताकतें भी मैदान में आ जाएंगी और इस तरह से निर्यात क्षेत्र में निवेश की कमी से जो असर होगा, वह वस्तुओं के सस्ता हो जाने के कारण नए उत्पादन को बढ़ावा देगा। सरकार को ऐसी हालत में नवउद्यमों से भी बहुत उम्मीदें हैं और माना जा रहा है कि अगर भारत की पहचान उसकी घरेलू दस्तकारी या कुटीर और लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने के रूप में सामने आए तो इससे देश में बेरोजगारी की वह जटिल समस्या हल होने लगेगी, जिसे अभी तक अनुकंपा और मुफ्तखोरी की नीति से संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है।

लेकिन कुछ और संभावनाएं भी हैं, जिनको ऐसे वक्त में हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। एक संभावना तो यही है कि चाहे जीएसटी की दरें कम हो रही हैं, पर क्या इसका असर उन सभी 375 वस्तुओं पर दिखाई देगा, जिनके कर कम हो रहे हैं। या करों की इस कमी को अपने ही उदर में समेटते हुए उत्पादक न तो अपना निवेश या उत्पादन बढ़ाएंगे और न ही रोजगार की नई संभावनाएं पैदा होंगी। ऐसे में अमेरिकी शुल्क का मुकाबला करने के लिए जीएसटी दरों में सुधार का असर एक सीमित स्तर पर ही हो पाएगा।

विशेषज्ञों ने इस संभावना की तहकीकात की है। उनका कहना है कि 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू हो जाएंगी, लेकिन क्या उसके मुताबिक बाजार में भी सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो जाएगा। अभी तक देश के बाजारों में ऐसा वातावरण है कि शुरू की रियायतें तो आम जनता को नहीं दी जातीं और कंपनियां उन्हें अपने पूर्व घाटे की भरपाई कहकर ही समेट लेती हैं। इसका बड़ा उदाहरण देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें गिरने के बावजूद इसका लाभ देश की जनता को नहीं मिल पाता है। इसकी कीमतों को लगभग दो साल से उसी स्तर पर स्थिर रखा गया है, क्योंकि पेट्रोलियम कंपनियों का यह कहना था कि अभी तो उन्हें पिछले घाटे की ही भरपाई नहीं हुई। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि देश के बाजार अपूर्ण भाव से ग्रस्त हैं। इसका अर्थ यह है कि अधिक लाभ कमाने के लिए वस्तुओं की बनावटी मंदी भी पैदा कर दी जाती है।

इस तरह की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर जीएसटी की दरें कम होने के बावजूद संबंधित वस्तुओं की बाजार कीमतें कम नहीं होती हैं, तो इसके लिए उद्योग संगठनों से बातचीत करनी होगी। हालांकि, पिछला अनुभव यही कहता है कि उद्योग संगठन अपनी नीति की परवाह अधिक करते हैं, चाहे वह कृत्रिम कमी का माहौल पैदा करके ही क्यों न हो। एक और संभावना को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है विदेशी व्यापार में हमारी मुद्रा के विनिमय मूल्य का निरंतर कम होते जाना। हालांकि सरकार का कहना है कि ऐसा रुख डालर की कीमतों में ही नजर आएगा। मगर, हमारे निर्यात और आयात के आंकड़े बता रहे हैं कि हम अभी तक अपनी अर्थव्यवस्था का तेवर नहीं बदल सके। हमारी अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित नहीं है। अब जब अधिक निर्यात की बात हो रही थी, तो उस पर अमेरिकी शुल्क का प्रहार होता नजर आ रहा है। समस्या यह है कि जब हम अपने देश में अलग-अलग क्षेत्रों के उत्पादन और निवेश को बढ़ाने का प्रयास करते हैं, तो पता चलता है कि हम उसके कच्चे माल के लिए अभी भी अन्य देशों पर निर्भर हैं।

हमें इस बात का गर्व है कि हमने पिछले वर्षों में अपने दवा उद्योग को तरक्की दी है और दवाइयों के निर्यात को बढ़ाया है। मगर जब इनके लिए कच्चे माल की ओर देखते हैं, तो पाते हैं कि इसका बहुभाग आयात करने के लिए हमें चीन जैसे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। पिछले दिनों चीन के साथ संबंधों में कटुता के कारण चीनी सामान के बहिष्कार की बात होती रही, लेकिन जब हम आयात-निर्यात का पैमाना देखते हैं तो पाते हैं कि चीन से वस्तुओं का आयात भारत से सामान के निर्यात के मुकाबले कहीं अधिक है। अब हम जब रूस समेत चीन के साथ हाथ मिलाकर एक नई शुरूआत करने का प्रयास कर रहे हैं, तो क्या यह आवश्यक नहीं होगा कि पहले हम भारत को अपना कच्चे माल खुद तैयार करने में आत्मनिर्भर बनाएं। मगर यह आत्मनिर्भरता कब और कैसे होगी, इसी के आधार पर भारत के लिए नई परिस्थितियों का निर्माण संभव हो सकेगा।

हिन्दी दिवसः भाषा, संस्कृति और आत्मगौरव

हिन्दी दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का उत्सव है। महात्मा गांधी ने कहा था–'मातृभाषा में शिक्षा ही सच्चे अर्थों में मनुष्य की क्षमता को विकसित करती है।' यह विचार हमें बताता है कि जब समाज अपनी मातृभाषा से जुड़ा रहता है, तभी उसकी संस्कृति जीवंत और प्रखर बनी रहती है। भारत इस दृष्टि से समृद्ध है, जहाँ 22 संवैधानिक भाषाएँ, 121 प्रमुख भाषाएँ और लगभग 19500 बोलियाँ एक ही राष्ट्र की धारा में प्रवाहित होती हैं। यही विविधता हमारी राष्ट्रीय एकता को गहराई देती है और हमें वैश्विक पटल पर विशिष्ट बनाती है।

आज के समय में आवश्यक है कि मातृभाषा को केवल शिक्षा का साधन न मानकर जीवन का आधार समझा जाए। वैश्वीकरण और अंग्रेज़ी के आकर्षण ने नई पीढ़ी को अवसर दिए हैं, लेकिन यदि अपनी भाषा से दूरी बढ़ती रही तो संस्कृति का रंग फीका पड़ जाएगा। भाषा और संस्कृति का रिश्ता शरीर और आत्मा की तरह है–भाषा सुदृढ़ रहेगी तो संस्कृति भी समृद्ध बनी रहेगी।

हिन्दी की सहजता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है। यही सरलता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाती है। शोध बताते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की स्मृति, पठन और गणितीय क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है। ओडिशा का 'नुआ अरुणिमा' कार्यक्रम इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ इक्कीस भाषाओं में शिक्षा देकर बच्चों को सहज और आनंदपूर्ण वातावरण मिला। संविधान का अनुच्छेद 350 (क) भी यही दायित्व राज्यों पर डालता है कि भाषाई अल्पसंख्यकों के बच्चों को प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दी जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी इस दिशा को और सशक्त किया है। यह सब बताता है कि मातृभाषा आत्मविश्वास, गुणवत्ता और समानता की आधारशिला है।

मातृभाषा का महत्व केवल कक्षा तक सीमित नहीं। दादी की कहानियाँ, माँ की लोरी, लोकगीत और त्योहार तब जीवंत होते हैं जब उन्हें अपनी भाषा में सुना और समझा जाए। यही भाषा पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु है और जीवन को आत्मीयता से भर देती है। इसे ही संस्कृति की जड़ों को सींचने वाली अमिट धारा कहा जाता है।

साहित्य मातृभाषा का सबसे उज्ज्वल रूप है। हिन्दी और भारतीय

साहित्य की अनेक कृतियाँ समाज और राष्ट्र की चेतना को गढ़ती रही हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र की 'भारत दुर्दशा' राष्ट्रीय स्वाभिमान जगाती है, मैथिलीशरण गुप्त की 'साकेत' त्याग और आदर्श का संदेश देती है, महादेवी वर्मा की 'यामा' करुणा और संवेदनशीलता को प्रकट करती है, और सुभद्राकुमारी चौहान की कविताएँ आज भी राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करती हैं। बच्चन की 'मधुशाला' जीवन के दर्शन को सहजता से सामने रखती है, तो दिनकर की 'रश्मिरथी' संघर्ष और वीरता की प्रेरणा देती है। ये कृतियाँ केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और आत्मगौरव की धरोहर हैं।

आज की पीढ़ी तकनीक और तेज़ जीवनशैली में उलझी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल ने सुविधा तो दी है, लेकिन संवेदनशीलता और संस्कृति से जुड़ाव कहीं न कहीं कम हुआ है। ऐसे समय में मातृभाषा और साहित्य ही वह ज्योति हैं, जो आत्मा को ऊष्मा और जीवन को दिशा देती हैं। मातृभाषा आत्मविश्वास का बीज बोती है, साहित्य नैतिकता और राष्ट्रप्रेम का वृक्ष उगाता है, और कहानियाँ करुणा की धारा बहाती हैं। यही हमारी सुदृढ़ शरण है, जो हमें भविष्य की चुनौतियों में भी संतुलित रखती है।

हिन्दी दिवस का संदेश यही है कि मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान और आत्मगौरव की धड़कन है। यही वह स्रोत है जिससे सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ऊर्जा प्रवाहित होती है। आज आवश्यकता केवल स्मरण की नहीं, बल्कि संकल्प की है–कि मातृभाषा को शिक्षा, साहित्य और जीवन की धारा में उचित स्थान मिले। यदि हम इसे अगली पीढ़ियों तक संजोकर पहुँचाएँगे, तो हमारी संस्कृति न केवल जीवित रहेगी, बल्कि और भी संपन्न और पुष्पित होगी। मातृभाषा आत्मविश्वास की जड़ है और संस्कृति की सबसे मज़बूत नींव।

टेंशन बढ़ाती चौपहियाओं को खड़ी करने की समस्या

पिछले दिनों समाचार पत्रों में दो समाचारों की सुर्खियां प्रमुखता से देखी गई। पहला समाचार यह कि एक मोटे अनुमान के अनुसार नोएडा में साल भर में एक लाख से अधिक नए वाहन खरीदे जाते हैं तो दूसरा समाचार दिल्ली से जुड़ा है और इसमें यह कि दिल्ली में कहीं भी जाओं तो वाहन को पार्किंग के लिए खड़ा करने में औसतन 20 मिनट तो लग ही जाते हैं। दोनों समाचार ही देष में आर्थिक उन्नती को दर्शाने के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव को इंगित करते हैं। पर इसके साथ ही यह भी साफ हो जाता है कि हमारे शहर आज और आने वालों सालों के लिए अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं है। एक और वाहनों की मांग और खरीद बढ़ती जा रही है और इसमें भी बड़ा बदलाव यह देखा जा रहा है कि अब लक्जीरियस वाहनों की खरीद को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है तो दूसरी और ऑफिस या किसी काम से घर से बाहर निकलने पर वाहन को पार्क करने की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हालात यहां तक हो गए हैं कि वाहनों की पार्किंग को लेकर तू तू मैं मैं, झगड़ा और मारपीट तो आम होती जा रही हैं वहीं वाहन खड़ा करने को लेकर जानलेवा हमला और जान ले लेने तक के समाचार अखबारों की यदा कदा सुर्खियां बनते जा रहे हैं। रोडरेज की घटनाएं आम होती जा रही है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह समस्या कोई नोएडा या दिल्ली की ही नहीं हैं अपितु कमोबेस यह समस्या देश के किसी भी शहर में गंभीर रुप लेती देखी जा सकती हैं। दरअसल हमारे नगर नियोजकों व शहरी नियामक संस्थाओं ने पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं है। गांवों को निगलकर शहरों का विस्तार होता जा रहा है तो गगनचुंबी इमारते बनती जा रही है। आबादी का घनत्व और दबाव बढ़ता जा रहा हैं। जिस अनुपात में यह बदलाव आ रहा है उस अनुपात में भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की और ध्या नही नहीं दिया जा रहा है। आबादी के पास के एक समय के बड़े बड़े बंगले अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और मॉल्स में तब्दील होते जा रहे हैं। जहां पहले एक बंगले से एक समय में एक या दो वाहनों का ही यातायात दबाव पड़ता था वहीं अब उसी स्थान पर बनें मल्टी स्टोरी में बहुत से फ्लेट्स होने के कारण बहुत से परिवार रहने के कारण औसतन डेढ़ गाड़ी का दबाव भी माना जाएं तो साफ हो जाता है कि रोड पर वाहनों का दबाव तो पड़ेगा ही। जहां तक मॉल्स का सवाल है अधिकतर माल्स में पार्किंग की सुविधा तो होती है पर अधिकांश पार्किंग तो माल्स में बिजनस प्रतिष्ठानों के मालिकों, कार्मिकों आदि से ही भर जाते हैं तो वहां आने वालों के लिए पार्किंग की समस्या बन ही जाती है। पार्किंग की समस्या को लेकर भी दो तरह की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। एक तो यह कि अब घरों कालोनियों में भी वाहन पार्किंग की समस्यां गंभीर होती जा रही है। इसका बड़ा कारण एक ही परिवार में एक से अधिक वाहनों और वह भी लक्जीरियस वाहन एमयूवी/एसयूवी का होना आम होता जा रहा है तो दूसरी और सार्वजनिक परिवहन साधनों की योजनाबद्ध उपलब्धता नहीं होना है। कहने को तो अब ओला-उबेर की बात की जाने लगी है या दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में मेट्रो ट्रेन की बात की जा सकती है पर समस्या का समाधान यह इसलिए नहीं है कि नई कालोनियों के विकास के अनुसार इनकी सहज उपलब्धता का सवाल भी होता है।

भले ही यह बात थोड़ी अजीब अवश्य लगे पर अब शहरों में घरेलू या यों कहें कि निजी चौपहिया वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह सही है कि यह समस्या केवल और केवल हमारे महानगरों तक सीमित ना होकर दुनिया के अधिकांश देशों के सामने तेजी से विस्तारित होती जा रही है।

दुनिया के देश चौपहिया वाहनों की पार्किंग समस्या से दो चार हो रहे हैं और इस समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। यहां तक की पार्किंग शुल्क से अच्छी खासा आय होने लगी है। अकेले भारत की ही बात करें तो देश में पांच करोड़ से अधिक कारें चलन में हैं और हर साल में इसमें इजाफा ही होता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में उपलब्ध कारों की पार्किंग के लिए ही चार हजार से अधिक फुटवाल के मैदानों जितनी जगह की आवश्यकता है। अगर दिल्ली की ही पार्किंग से आय की बात करें तो यह कोई 9800 करोड़ से अधिक की हो जाती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी शहर की गलियों में निकल जाएं तो देखेंगे कि गलियों में घरों के बाहर सड़क की आधी जगह तो कारों के पार्किंग से ही सटी होती हैं। यानी कि एक ही घर में एक से अधिक कार/वाहन होना अब आम होता जा रहा है। किसी भी शहर में आफिस या बाजार खुलने बंद होने के समय तो जाम लग जाना आम होता जा रहा है। यह सब तो तब है जब आबादी की तुलना में कारों की संख्या कम है। आने वाले सालों में कारों की संख्या में इजाफा ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती।

दरअसल इस सबके अनेक कारणों में से उपनगर विकसित करने पर ध्यान नहीं देना, व्यस्ततम स्थानों पर ही बहुमंजिला इमारतें बनाने की छूट देना, शहरी सार्वजनिक यातायात तंत्र का विकसित नहीं होना, वाहनों की खरीद सहज होना और वाहनों की पार्किंग के लिए दूरगामी योजना का अभाव होना माना जा सकता है। दरअसल चौपहिया वाहनों की जिस तरह से सुगम ऋण सुविधा व पैसों के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण सहज पहुंच हुई है उसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया हैं कि जिस तरह से अमीर गरीब सभी के लिए मोबाइल आम होता जा रहा हैं ठीक उसी तरह से चौपहिया वाहन आम होता जा रहा हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की माने तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी समय रहते जगह तलाशनी होगी। पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है। दरअसल इस सबके लिए समय रहते दूरगामी नीति बनानी होगी ताकि समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ नहीं जाएं। वास्तुकारों और नियोजकों के लिए यह अपने आप में चुनौती पूर्ण काम हो गया है। किराए की पार्किंग व्यवस्था सस्ती व सहज उपलब्धता वाली भी होनी चाहिए। शहरी निकाय संस्थाओं को इस और गंभीरता से प्रयास करने होंगे वहीं कोलोनाइजरों को भी इस दिशा में पहले से ही रोडमेप बनाकर चलना होगा नहीं तो आने वाले समय में यह एक और नई समस्या दस्तक देने वाली है। सरकार के सामने दोहरी चुनौती है एक और तो ऑटोमोबाईल उद्योग को बढ़ावा देना है तो दूसरी और पार्किंग की समस्या का कोई ना कोई योजनाबद्ध सहज हल खोजना होगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला स्वास्थ्य समिति, शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक

संस्थागत प्रसव को सभी एमओआईसी, आशा व एएनएम को प्रेरित कर बढ़ाये-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टेट्ट सभागार में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान गोपीगंज के उपकेन्द्र बैरीपरवा सीएचओ मीनाक्षी देवी द्वारा फर्जी उपस्थिति ए0एम0एस0 पर दर्ज की जा रही थी जिस पर डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी व जिला विकास अधिकारी को कमेटी गठन करने के साथ जॉच कर रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही जनपद में तैनात सभी चिकित्सकों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया। जिला चिकित्सालय महराजा चेतसिंह के सीएमएस द्वारा स्टॉप नर्स की मॉग की गयी। जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि तत्काल स्टॉप नर्स की संबद्धता कराये।

स्वास्थ्य विभाग के हर कार्यक्रम की कंपोजिट रिपोर्ट अगले बैठक में प्रस्तुत किया जाए। सभी एमओआईसी आशा व एएनएम की हफ्ते में बैठक कर सघन समीक्षा करने का निर्देश दिया। यूनिसेफ, यूएनडीपी की तरह समस्त एमओआईसी अपने ब्लॉकों में जाकर स्थलीय विजिट कर अवलोकन करें। मातृत्व दर का सही डेटा प्रस्तुत किया जाए। सीएचसी, पीएचसी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बल देते हुए खराब स्थिति को ठीक करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ विभाग की लापरवाहियों पर नाराजगी जताते हुए कड़ा निर्देश दिया कि सभी डॉक्टर जनपद में निवास करें, अन्यथा निरीक्षण में अनुपस्थित पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बैठक की कार्यवृत्ति अगले दिन तक अवश्य उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं व क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्वालिटी एश्योंरेस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में लैब स्लैब एवं बेसिंग उपलब्धता पर बल दिया। स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टरों के उपस्थिति की चेकिंग एवं कार्य के प्रति उनकी दक्षता का सतत् मूल्यांकन हो। एंटी स्नेक वैक्सीन की सभी पीएचसी, सीएससी पर उपलब्धता सुनिश्चित हो। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में व्यक्तिगत व टीम बेस्ड इंटेंसिव बढ़ाने व सुधार करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। सभी पीएचसी , सीएचसी पर ड्यूटीरूम सहित सभी जगह साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने बायोमेडिकल बेस्टेज को सही तरीके से निस्तारित किये जाने पर जोर दिया। साथ ही आरबीएसके के कार्य संचालन हेतु कार्यरत मोबाइल हेल्थ टीमों को स्कूलों में जॉच हेतु जाने के लिए वाहनों की उपलब्ध को सुनिश्चित करने पर बल दिया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ाये, इस सन्दर्भ में आशा व एएनएम को प्रेरित करें। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता/दृष्टि दोष की जॉच हेतु जिलाधिकारी ने कैम्प लगाकर अभियान चलाने का निर्देश दिया। ई-कवच समरी रिपोर्ट के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को आभा आईडी जनरेट करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यरत सभी कम्युनिटी आफिसर को निर्देशित किया कि आयुष्मान आरोग्य मन्दिर की प्रभावी क्रियाशीलता हेतु अटेन्डेंस के माध्यम से नियमित करें, लापरवाही न बरते। सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर बिजली, पानी, दवा की उपलब्धता शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो। जहॉ कुछ कमी है, वहॉ के चिकित्सा अधीक्षक, डीपीआरओ व सीडीओ से समन्वय स्थापित कर पूर्ण कराये। जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा करते हुए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि सभी अपने उत्तरदायित्वों व कार्यो का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, समस्त जिला अस्पतालो के सीएमएस, समस्त एसीएमओ, डीपीआरओ संजय मिश्र, बीएसए विकास चौधरी, स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण, समस्त एमओआईसी आदि उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड व्यक्तिगत श्रेणी हेतु युवाओं से प्रस्ताव 15 अक्टूबर तक आमंत्रित

युवा करें आवेदन, मिलेगा राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। प्रदेश सरकार द्वारा विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी व्यक्तिगत श्रेणी के अन्तर्गत राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड' से सामाजिक कार्यों में रूचि रखने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया जाना है। इस एवार्ड हेतु शासन के निर्देश के क्रम में उल्लिखित राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र यथा खेलकूद सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन, जैविक खेती सौर उर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यकम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबन्धन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य अनुसंधान, कला, संस्कृति और साहित्य, मानव अधिकारों को बढ़ावा देना, पर्यटन, पारम्परिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल और शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग इत्यादि क्षेत्रों में विगत 03 वर्षों (01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2025 तक) में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं के प्रस्ताव जिलाधिकारी भदोही की अनुशंसा के साथ महानिदेशालय, लखनऊ को उपलब्ध कराया जाना है। निर्धारित अवधि में उपरोक्तानुसार उल्लिखित क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले युवाओं द्वारा निर्धारित प्रस्ताव प्रारूप पर सम्बन्धित साक्ष्यों सहित मूल रूप में आवेदन 03 प्रतियों में (बुकलेट फॉर्मेट में) 15 अक्टूबर 2025 तक जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, भदोही में अनिवार्य रूप से जमा किया जाएगा।

उक्त वर्णित एवार्ड के लिए आवेदन हेतु पात्रता की शर्ते-सम्बन्धित युवा को उत्तर प्रदेश का नागरिक होना अनिवार्य है। वह 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच होना चाहिए, जिसका निर्धारण वर्ष के 01 जनवरी को नामांकन के समय के अनुसार होगा। आवेदक के द्वारा विगत 03 वित्तीय वर्षों में उपर्युक्त क्षेत्रों में पहचान योग्य कार्य किया गया हो। पुरस्कार जीवनकाल में एक बार प्रदान किया जाएगा। किसी सरकारी सेवा में अर्थात् केन्द्र / राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमो, विश्वविद्यालयों, स्कूल / कॉलेज आदि में कार्यरत् व्यक्ति पुरस्कार हेतु पात्र नही है।

विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के संबंध में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के संबंध में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आधिकारियों का प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। उप जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण एवं डिप्टी कलेक्टर शिव प्रकाश यादव द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में अवगत कराया गया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13 ग के अनुसार ए ई आर ओ की तैनाती की जाती है। तैनात सभी ए ई आर ओ को उनके आवंटित विधानसभा में बूथ आवंटित किये गये हैं। कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 18 वर्ष हो गयी है वह व्यक्ति मतदाता सूची में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिये अधिकारी हो जाता है। मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने हेतु फार्म 06 का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार यदि कोई मतदाता मतदाता अपने नाम / पते की प्रविष्टि में संशोधन करना चाहता है तो वह फार्म 8 भरेगा। इसी प्रकार यदि कोई मतदाता किसी अन्य जगह की मतदाता सूची में पंजीकृत है और अपना नाम स्थानान्तरित कराके कहीं और रजिस्टर्ड होना चाहता है तो फार्म 08 का ही प्रयोग करेगा। यदि किसी मतदाता की मृत्यु होती है अथवा उसका नाम डुप्लीकेट है तो उसका नाम हटाने के लिये फॉर्म 07 का प्रयोग किया जायेगा। मतदाता सूची में नाम जोड़ने संशोधन एवं अपमार्जित करने के कार्यो पर निगरानी हेतु समस्त बूथों पर राजनीतिक दल अपने दल की तरफ से बी एल ए की तैनाती कर सकते हैं। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त राजनैतिक दलों को बीएल ए की तैनाती के लिये अनुरोध किया गया है। प्रशिक्षण में उप जिलाधिकारी औराई बरखा सिंह , समस्त तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मातृ नवमी पर सीडीओ ने किया गौशाला व विद्यालय का निरीक्षण, गायों का पूजन

भदोही। मातृ नवमी के अवसर पर सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बाल कृष्ण शुक्ला ने ब्लॉक अभोली के मसुधी गांव का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्थाई गौशाला, प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया।

निरीक्षण के समय विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्था देखकर सीडीओ ने ग्राम प्रधान व जिम्मेदारों की सराहना की। आंगनबाड़ी केंद्र पर 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खीर और आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

मौके पर सीडीओ गौशाला भी पहुंचे, जहां मातृ नवमी की परंपरा के तहत उन्होंने गायों को गुड़, चना, केला और हरा चारा खिलाकर पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि मातृ नवमी पर पितरों का तर्पण और गौ पूजन की परंपरा है। गायों की सेवा करना पूर्वजों की स्मृति और आशीर्वाद प्राप्त करने का माध्यम है।

सीडीओ ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में सुधार दिख रहा है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से विद्यालय और गौशाला की देखभाल लगातार करने की अपील भी की। इस अवसर पर बीडीओ अभोली अनिल राय, पशु चिकित्सक डॉ. राजेश, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विंध्यवासिनी पांडे और प्रधानाचार्य राजेश शुक्ला मौजूद रहे।

जनपद के थानों पर नियुक्त बीट आरक्षी द्वारा किया गया महिलाओं को जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आर.पी.सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के आदेश के क्रम में एवं अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन एवं शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों पर नियुक्त महिला बीट आरक्षी/ मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा ग्रामों, प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर चौपाल का आयोजन कर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वुमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

गरजे शिक्षक, प्रधानमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सोमवार अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर , जनपद की भदोही शाखा के जिलाध्यक्ष धीरज सिंह के नेतृत्व में शिक्षक आज जनपद मुख्यालय पर इकट्ठा हुए और 1सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के विरोध में , प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी भदोही को सौंपा।ध्यातव्य है कि, एन सी टी ई द्वारा 2017 में चुपके से एक संशोधन करके पूरे देश के शिक्षकों के लिए , जो टी ई टी लागू होने के पहले ही नियुक्त हुए हैं, सबको टी ई टी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया।इसके लिए न्यायालय से 2 वर्षों का समय मिला है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि, प्रदेश में27जुलाई 2011 से टी ई टी लागू हुआ है, तो इसके पूर्व के शिक्षकों के लिए टी ई टी लागू करना संविधान सम्मत नहीं है, क्योंकि न्यायालय पहले ही कह चुका है, कि कोई भी आदेश भूत लक्षी नहीं होता।इस मामले में संगठनों ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है।इसका वैधानिक पहलू भी कम दिलचस्प नहीं है, क्योंकि पहले अध्यापक बनने की योग्यता इंटरमीडिएट और बी टी सी थी, ऐसे अध्यापक टी ई टी का फॉर्म ही नहीं भर पाएंगे, क्योंकि इसके लिए योग्यता स्नातक और प्रशिक्षण है। बी एड वाले और बी पी एड योग्यताधारी शिक्षक भी टी ई टी की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे, क्योंकि अब इनको भी प्राथमिक अध्यापक भर्ती में शामिल करने पर रोक लगी है।इन विषम परिस्थितियों में ऐसे अध्यापक जिनकी सेवा केवल 10, से 12 वर्ष बची हो वो कैसे परीक्षा देंगे ये बड़ी चुनौती है।इसको लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नेपूरे देश में आज सभी जिलाधिकारियों के माध्यम से हस्तक्षेप की अपील की है।आज के कार्यक्रम में जिला महामंत्री क्रांतिमान शुक्ला, संगठनमंत्री रितेश तिवारी, देवेंद्र विश्वास, रत्नाकर राय, राजीव रतन यादव, देवेन्द्र कुमार मिश्र, जिला मीडिया , प्रभारी प्रतीक मालवीय, राजकुमार दुबे, मनीष पाण्डेय, शिवपूजन गिरी शिल्पी अग्रवाल, ज्योति कुमारी , आनंद सिंह, अरूण कुमार यति, बृजेश सरोज, दिलीप पटेल , विजय सिंह, संजय उपाध्याय, अनिल मौर्य, दिनेश यादव, सुनील दुबे, शंभूनाथ उपाध्याय, राजधर यादव सहित हजारों शिक्षक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विंध्याचल मंडल के महामंत्री और राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संतोष सिंह की विशेष उपस्थिति रही।

गला दबाकर हत्या के आरोपी किया गया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आरोपी द्वारा अपने पिता की गला दबाकर की गई हत्या, पैतृक संपत्ति विक्रय/बंटवारे को लेकर आरोपी ने दिया हत्या की घटना को अंजाम, स्थानीय पुलिस द्वारा सगे भाई की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत करते हुए हत्या के अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार 14.09.25 को समय 20.54 बजें आवेदक सूरज दुबे पुत्र स्व0 जयशंकर दुबे (जिनकी हत्या हुई है) निवासी गोपालपुर ऊपरवार थाना गोपीगंज जनपद भदोही द्वारा थाना गोपीगंज पर सूचना दिया गया कि 06.09.2025 को रात्रि करीब 10 बजें खाना खाकर आवेदक अपने पिता जयशंकर दुबे के साथ कमरे में सो रहे थें। आवेदक के बड़े भाई कृष्ण कुमार दुबे उर्फ दिलीप भी कमरे में आ गए और पिताजी के साथ सो गए थोड़ी देर बाद आवेदक के बड़े भाई कृष्ण कुमार दुबे पिताजी के सीने पर चढ़कर उनका गला दबा दिए। जिससे आवेदक के पिताजी की मृत्यु हो गई। आवेदक की तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 417/25 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में अपने पिता की गला दबाकर हत्या कर देने की घटना में शामिल अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मय हमराह अभियुक्त कृष्ण कुमार दूबे उर्फ दिलीप पुत्र जयशंकर दूबे निवासी गोपालपुर उपरवार थाना गोपीगंज जनपद भदोही को बाला कौलापुर रेलवे क्रासिंग के 50 मीटर दक्षिण तरफ सेमराध रोड से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान संबंधित मा0 न्यायालय किया गया।

कल से 2 अक्टूबर, 2025 तक 'सेवा पर्व' के अंतर्गत आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

सूचना विभाग द्वारा जीआईसी मैदान पर लगी विकसित भारत-उत्तर प्रदेश 2047 प्रदर्शनी में दिखेगी विकास यात्रा की झलक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में 17 सितंबर को मा.प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन, 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती व 02 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के पावन जयंती पर 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन किया जायेगा। 'सेवा पखवाड़ा' के कार्यक्रम की शुरुआत मा0 प्रधानमंत्री जी के संबोधन प्रसारण के साथ ही रक्तदान शिविर से की जाएगी।

सेवा पखवाड़ा-2025 पूरे देश में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक 'विकसित भारत' की व्यापक थीम के साथ मनाया जायेगा। यह थीम भारत को वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में रूपान्तरित करने की परिकल्पना करती है, जो बहुआयामी प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सांस्कृतिक समृद्धि, सुशासन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, खेल, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, कृषि, डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और उद्यमिता में तेज प्रगति को प्रमुखता दी गयी है। इसी के साथ यह महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण तथा वैश्विक नेतृत्व एवं कूटनीति में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करता है, जबकि सेवा, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करता है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अंतर्गत 'स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत 17 से 2 अक्टूबर तक तीनों जिला चिकित्सालय सहित सभी सीएचसी, पीएचसी, स्वस्थ उपकेंद्र , आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तिथिवार निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 सितंबर को समस्त जिला चिकित्सालय/सामु0/प्रा0/न0 प्रा0 स्वा0 केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर मा0 प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का लाईव प्रसारण किया जाएगा। मा0 प्रधानमंत्री जी विजन सुपोषण भारत/कुपोषण मुक्त भारत पर आधारित आठवां राष्ट्रीय पोषण माह 17 सितम्बर से मनाया जायेगा। जिसमें मोटापा निवारण चीनी व तेल के उपभोग में कमी, पोषण भी पढ़ाई भी, एक पेड़ मॉ के नाम, शिशु एवं बाल आधारित कथाएं, पुरूष सहभागिता आदि थीम पर जनसंवेदीकरण गतिविधियॉ आदि आयोजित की जायेगी।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सभी स्वास्थ्य कैंपों पर निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएगी ।ऑखों की जांच, रक्तचाप मधुमेह और दंत की जांच, मुख कैसर/स्तन कैसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की गहन जांच , गर्भवती महिलाओं के लिए, प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण सेवायें, टेलीमानस की सुविधा, टीबी जांच, ब्लड की जांच, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, विशेष परामर्श। निरोगी काया सेन्टर (स्टॉल) पर एच0बी0 की जांच, बी0पी0 की जांच, शुगर की जांच, हाईट/वेट की जांच, योगा सम्बन्धित जानकारी दी जाएगी।

18 सितंबर को सामु0 स्वा0केन्द्र, औराई पर विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं आशा कलस्टर मीटिंग 19 सितंबर समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर आशाओं एवं जनता के साथ संवाद 20 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, भदोही पर विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण तथा सामु0स्वा0केन्द्र, पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन।

21 सितंबर समस्त प्रा0स्वा0केन्द्रों/नगरीय प्रा0 स्वा0केन्द्रों पर मा0 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन 22 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, डीघ में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प, ब्लाक पर सभी कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक के साथ-साथ जन जागरूकता का किया जायेगा।23 सितंबर समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर ए0एन0एम0 / सी0एच0ओं0 योजनाओं को जागरूक करना द्वारा समस्त 24 सितंबर सामु0स्वा0केन्द्र, गोपीगंज में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण का आयोजन 25 सितंबर जनपद के 06 सामु0स्वा0केन्द्रों पर आशा कलस्टर की मीटिंग एवं सभी स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा।26 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, सुरियवां में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं सभी एम0सी0एच0 स्वास्थ्य प्रदान करना 27 सितंबर 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण का आयोजन 28 सितंबर समस्त प्रा0स्वा0 केन्द्रों/नगरीय प्रा0स्वा0 केन्द्रों पर मा0 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन 29 सितंबर जनपद के 06 सामु0स्वा0 केन्द्रों पर आशा कलस्टर की मीटिंग एवं सभी स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा। 30 सितंबर सामु0स्वा0केन्द्र, दुर्गागंज में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प, ब्लाक पर सभी कार्यकमों की समीक्षा बैठक के साथ-साथ जन जागरूकता का किया जायेगा। 01 अक्टूबर 03 जिला चिकित्सालय 06 सामु0स्वा0केन्द्र एवं 20 प्रा0/न0प्रा0 स्वा0 केन्द्रों पर ब्लड ग्रुपिंग का का कार्य। 02 अक्टूबर महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर में बृहद रक्तदान शिविर एवं कुष्ठ आश्रम पीपरीस में दिव्यांग/कुष्ठ रोगियों को फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस विशेष पखवाड़ा में सूचना एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत जनपद में उत्साह एवं व्यापक जन सहभागिता के साथ चित्रकला प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी। इसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों, कला विधार्थियों एवं कला प्रेमियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि वे कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की परिकल्पना और माननीय प्रधानमंत्री जी तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित कर सकें। सेवा पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत मुख्य रूप से जनपद स्तर पर आयोजित की जाने वाली चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियो द्वारा विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत की संकल्पना को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जायेगा।

सेवा पखवाड़ा-2025 का शुभारम्भ दिनांक 17 सितम्बर, 2025 को किया जायेगा। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के द्वारा विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत की संकल्पना पर आधारित प्रदर्शनी जीआईसी मैदान ज्ञानपुर में लगायी जायेगी। जनपद स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिताये तीन वर्गो क्रमशः जूनियर वर्ग (कक्षा 9 से 12) एवं सीनियर वर्ग (स्नातक एवं परास्नातक) एवं सामान्य वर्ग में आयोजित की जायेगी। सामान्य वर्ग की प्रतियोगिता में किसी भी आयु वर्ग का चित्रकार/कलाप्रेमी प्रतिभाग कर सकता है। तीनों वर्ग की प्रतियोगिताओं हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक नोडल अधिकारी होगें। सीनियर वर्ग हेतु जनपद स्थित राजकीय महाविद्यालय का नामित प्राध्यापक सह-नोडल अधिकारी होगा। जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं अनिवार्य रूप से दिनांक 17 से 30 सितम्बर, 2025 के मध्य करा ली जायें। जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं में अनिवार्य रूप से जनपद में संचालित सम्बन्धित वर्ग के समस्त शिक्षण संस्थानों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाये। प्रतियोगिताओं में सृजित पेंटिग्स में से प्रत्येक वर्ग की उत्कृष्ट तीन पेंटिग्स (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु) का चयन जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा गठित चयन समिति के द्वारा किया जायेगा। दिनांक 02 अक्टूबर, 2025 को जनपद स्तर पर आयोजित गांधी जयन्ती कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ग की प्रतियोगिताओ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। तीनो वर्गो में पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप क्रमशः रूपया 51, 000/-, रूपया 21, 000/-एवं रूपया 11, 000/- की पुरस्कार राशि के साथ-साथ फ्रेम किये गये प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जायेंगे। प्रत्येक वर्ग की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित कलाकृतियां राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ को मूलरूप में 15 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध करायी जायेंगी।

भिवंडी में स्वाभिमान गणेश दर्शन स्पर्धा संपन्न, गौरीपाड़ा मंडल को पहला पुरस्कार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में स्वाभिमान सेवा संस्था की ओर से आयोजित स्वाभिमान गणेश दर्शन स्पर्धा का भव्य बक्षीस वितरण समारोह रविवार शाम पद्मानगर स्थित पद्मशाली समाज सभागृह में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में संयुक्त मित्र मंडल गौरीपाड़ा ने पहला स्थान हासिल कर प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किया।विजेता मंडल को 21 हजार रुपये नकद व सम्मानचिह्न प्रदान किया गया। इस अवसर पर शिवसेना लोकसभा संपर्क प्रमुख मदन बुवा नाईक, जिल्हा प्रमुख सुभाष माने, भाजपा शहर अध्यक्ष रवी सावंत, समाजसेवक साईनाथ पवार, राष्ट्रवादी कांग्रेस शहराध्यक्ष प्रवीण पाटील, आरएसएस शहर संघचालक नरेश मारू, सार्वजनिक गणेशोत्सव महामंडल अध्यक्ष मदन भोई और अखिल पद्मशाली समाज अध्यक्ष रामकृष्ण पोटबत्तीनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। मुख्य स्पर्धा में जय भारत मित्र मंडल पद्मानगर को दूसरा पुरस्कार (15 हजार रुपये), जबकि

ओमकार मित्र मंडल कोंबडपाड़ा को तीसरा पुरस्कार (11 हजार रुपये) मिला। वहीं, उत्तेजनार्थ पुरस्कार तेलुगू युवक मित्र मंडल कणेरी, शिव गणेश मित्र मंडल गणेश टॉकीज पद्मानगर और मिलेनियम गाईज पद्मानगर को दिया गया। इन मंडलों को उत्कृष्ट गणेश मूर्ति के लिए नकद पुरस्कार व सम्मानचिह्न से नवाजा गया। इसके अलावा पद्मानगर, कामतघर, भादवड टेमघर व ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित घरेलू गणेश सजावट प्रतियोगिता में 21 परिवारों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के आयोजकों ने बताया कि पिछले 22 वर्षों से इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छोटे मंडलों और घरगुती गणेशोत्सव को प्रोत्साहन देना है। कार्यक्रम का संचालन मानसी राजे ने किया, जबकि आयोजन समिति के प्रकाश कोप्पलवार, अनिल शेट्टी, राम बुरा, प्रशांत पुजारी, ईश्वर पामु आदि पदाधिकारियों ने विशेष मेहनत ली।

भिवंडी में प्लास्टिक बैन फेल, वसूली गैंग ने बनाया धंधा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में लागू प्लास्टिक बैन पूरी तरह कागजों तक सीमित होकर रह गया है। बाजारों में खुलेआम प्लास्टिक की थैलियां, कप, थर्माकोल समेत प्रतिबंधित सामान बिक रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पालिका अधिकारियों की मिलीभगत से हफ्ता लेकर यह कारोबार धड़ल्ले से जारी है। वहीं आसपास के ग्राम पंचायत क्षेत्रों में प्लास्टिक निर्माण प्लांट चल रहे हैं, जिनसे शहर में बड़ी सप्लाई की जाती है। प्लास्टिक पर रोक लागू करने का जिम्मा निजी ठेकेदार मे. रेयान एंटरप्राइज को दिया गया था, लेकिन यह कंपनी कार्रवाई से ज्यादा वसूली का अड्डा बन चुकी है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने 25 लोगों की टीम खड़ी कर रखी है, जो अवैध बांधकाम और छोटे कारखानों पर कार्रवाई का डर दिखाकर जबरन वसूली करती है। जिन थोक दुकानों पर कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें पैसा लेकर बचाया जा रहा है। इस नेटवर्क से हर महीने लाखों रुपये की काली कमाई होने का आरोप है। सबसे गंभीर हालात तब बने जब नागरिकों ने प्रतिबंधित काली-पीली प्लास्टिक थैलियों में घर का कचरा भरकर फेंकना शुरू कर दिया। कचरा संकलन केंद्रों पर अब ढेरों प्लास्टिक

जमा हो रहा है, जिससे पर्यावरण और पशुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इधर, ठेकेदार का कॉन्ट्रैक्ट 29 सितंबर को खत्म हो रहा है, जिसके चलते वसूली की रफ्तार और तेज हो गई है। एक साइजिंग कंपनी मालिक ने बताया कि टीम ने 5 हजार रुपये का दंड नकद मांगा और रसीद देने से इनकार कर दिया। पालिका के बैंक खाते की जानकारी भी देने से मना कर दिया गया। नागरिकों का आरोप है कि आरोग्य व स्वच्छता विभाग जानबूझकर ठेका बढ़ा रहा है, क्योंकि यह कंपनी अधिकारियों के लिए 'फ्री की दूध देने वाली गाय' बन चुकी है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ठेकेदार और भ्रष्ट अधिकारियों पर पुलिस में मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। शहर अब बदलाव और जवाबदेही की मांग कर रहा है।

भिवंडी के लक्ष्मी पेपर मिल में हुए हादसे में घायल मजदूर की मौत,दो कर्मचारियों पर केस दर्ज

सुरक्षा उपकरणों के अभाव में हादसे का आरोप,डेढ़ माह बाद दर्ज हुआ मुकदमा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के कोनगांव एमआईडीसी इलाके में स्थित पेपर मिल में काम करने के दौरान मशीन में हाथ जाने से घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई।जिसके बाद पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर कंपनी के दो कर्मचारियों पर लापरवाही के कारण हादसा होने का केस दर्ज किया है,लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।इस घटना के बाद एमआईडीसी क्षेत्र के अन्य कंपनियों में काम करने वाले मजदूरों में सुरक्षा को लेकर दहशत का माहौल व्याप्त है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के सरवली एमआईडीसी क्षेत्र में लक्ष्मी पेपर मिल स्थित है।जहां पर गोवेगांव के विकास म्हात्रे की बिल्डिंग में रहने वाला राजू कुमार राजकुमार भारती(38)अपने भाई के साथ पेपर मिल मशीन में पेपर लगाने का कार्य करता था। 30 जुलाई को दोपहर में 12 बजे के आस पास काम करने के दौरान राजू कुमार का दाहिना हाथ पेपर लगाने के दौरान मशीन में चला गया था।जिसके कारण वह बुरी तरह जख्मी हो गया था।जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतक के भाई धर्मेंद्र भारतीय की शिकायत पर कोनगांव पुलिस ने इस मामले में हादसे के डेढ़ माह के बाद कंपनी के पेपर मेकर आसिफ अब्बास सय्यद(52) व शिफ्ट इंचार्ज भोलेनाथ उदयपाल सिंह (54)के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) के तहत केस दर्ज कराया है।शिकायतकर्ता का आरोप है कि पेपर मिल में काम करने के दौरान मजदूरों को सुरक्षा साहित्य उपलब्ध कराना कंपनी की जिम्मेदारी है,ताकि किसी भी उन्होंने से मजदूरों को बचाया जा सके।लेकिन कंपनी के उक्त दोनों कर्मचारियों ने न तो सहायक ही दिया था और न ही सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराया था।जिसके कारण हादसे में उसके भाई की जान चली गई।इधर मामले की जांच कर रही कोनगांव पुलिस स्टेशन की सहायक पुलिस निरीक्षक प्रियंका चौघुले ने बताया कि पुलिस ने पहले इस मामले को आकस्मिक मौत का मामला दर्जकर जांच शुरू किया था।जिसके बाद जांच में कम्पनी की लापरवाही सामने आने के बाद दुर्घटना का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है।जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

भिवंडी में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ जितिया व्रत पर्व

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा, भिवंडी शहर जिल्हा अध्यक्ष मंगेश यादव के नेतृत्व में तीसरे वर्ष जितिया व्रत का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर भारतीय समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी।

इस अवसर पर उत्तर भारतीय समाज के प्रमुख उद्योगपति और पद्मावती डेवलपर्स एवं बिल्डर्स के मालिक सुजीत सिंह, उद्योगपति रमाकांत पांडा, एडवोकेट संजय श्रीवास्तव सहित भाजपा भिवंडी शहर अध्यक्ष रविकांत सावंत, पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी, सुमित पाटिल, श्यामजी अग्रवाल, संतोष शेट्टी, मनोज काटेकर, बालाराम चौधरी, राजू गजेंगी समेत अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक हस्तियां उपस्थित रहीं। सैकड़ों मातृशक्तियों ने पारंपरिक रीति-

रिवाजों के साथ व्रत और पूजन कर भगवान जीवित पुत्रिका (जीउतिया) का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं, माई म्यूजिक एंटरटेनमेंट की ओर से प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्ति और उत्साह से सराबोर कर दिया। यह वार्षिक आयोजन न केवल मातृत्व और संतान-कल्याण की परंपरा को जीवंत करता है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द का भी अद्वितीय संदेश देता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की टीम के साथ जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, अटल सेवा फाउंडेशन और नरेश झा फाउंडेशन का विशेष योगदान रहा।

दो दिन में तीन नाबालिग लापता, दहशत का माहौल

भिवंडी। शहर और आसपास के इलाकों में लगातार दो दिनों के भीतर तीन नाबालिग बच्चों के लापता होने की घटनाओं ने सनसनी फैला दी है। पुलिस ने परिजनों की शिकायतों के आधार पर अलग-अलग थानों में अपहरण के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पहली घटना नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के काल्हेर की है। यहां रहने वाले रविनारायण देवसियाराम वर्मन ने पुलिस को बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी 12 सितंबर की सुबह अचानक घर से गायब हो गई। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग अब तक नहीं मिल पाया है। दूसरा मामला शांतिनगर थाने में दर्ज हुआ। शिकायतकर्ता आजाद नगर निवासी गुलाम हुसैन नबी अली सय्यद ने आरोप लगाया कि उनकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी उस समय घर पर अकेली थी जब वे पत्नी के साथ बाहर गए थे। शाम करीब चार बजे लौटने पर बेटी लापता मिली। रिश्तेदारों और परिचितों में खोजबीन की गई, मगर नतीजा नहीं निकला। तीसरी घटना भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र नवीबस्ती की है। यहां किताबउल्ला याकूबअली खान के 13 वर्षीय बेटे तनवीर का अपहरण होने की शिकायत दर्ज कराई गई है। परिजनों का कहना है कि तनवीर दो दिन पहले खेलने के लिए घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। तीनों घटनाओं को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत केस दर्ज कर लिया है और बच्चों की तलाश में टीमें जुटा दी हैं। लगातार नाबालिगों के गायब होने से स्थानीय नागरिकों में दहशत का माहौल है। लोग अपने बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बच रहे हैं।

भिवंडी में ठगी का नया तरीका, घरेलू सामान व नकदी देने के नाम पर महिला से गहने लेकर फरार

भिवंडी। शहर में ठग अब नए-नए हथकंडे अपनाकर लोगों को शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला शांतिनगर थाना क्षेत्र का है, जहां एक अज्ञात महिला ने कंपनी की प्रतिनिधि बनकर एक परिवार से हजारों रुपये के गहने ठग लिए। रामनगर निवासी पूजा सुरेश वर्मा ने पुलिस को बताया कि 13 सितंबर की दोपहर वे रामनगर स्थित बौद्ध मंदिर के पास थीं। इसी दौरान करीब 30 से 32 वर्ष की एक महिला, जिसने लाल साड़ी पहन रखी थी, उनके पास पहुंची। महिला ने खुद को एक कंपनी की प्रतिनिधि बताते हुए दावा किया कि उसकी कंपनी में विशेष ऑफर चल रहा है। ऑफर के अनुसार, पुराने गहनों के बदले वॉशिंग मशीन, फ्रिज, सिलाई मशीन और नकद रकम दी जाएगी। महिला ने भरोसा दिलाया कि गहनों की जांच कर अगले ही दिन सामान और रकम सौंप दी जाएगी। इस पर भरोसा कर पूजा वर्मा ने करीब 65 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने उस महिला को सौंप दिए। लेकिन इसके बाद आरोपी महिला न तो लौटी और न ही कोई सामान या रकम वापस किया। घटना का एहसास होने पर पीड़िता ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात महिला आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है। इस घटना की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश गायकर कर रहे हैं।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी आठ जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-बरौनी, बांद्रा टर्मिनस-रीवा, उधना-बरौनी, उधना-बलिया, उधना-जयनगर, उधना-समस्तीपुर, गांधीधाम-सियालदह और भावनगर-शकुर बस्ती स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी स्पेशल (साप्ताहिक) (6 फेरे)

ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी स्पेशल प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 21.20 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 19.15 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09062 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बरौनी से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06.30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09029/09030 बांद्रा टर्मिनस-रीवा अनारक्षित विशेष (साप्ताहिक) (22 फेरे)

ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-रीवा विशेष ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 04.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.45 बजे रीवा पहुँचेगी। यह ट्रेन 18 सितंबर से 27 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09030 रीवा-बांद्रा टर्मिनस विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को रीवा से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 19 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी.

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, बोईसर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, मदन महल, कटनी, मैहर और सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09033/09034 उधना - बरौनी स्पेशल (द्विसाप्ताहिक) (12 फेरे)

ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः गुरुवार और सोमवार को 05:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 07 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी- उधना स्पेशल प्रत्येक गुरुवार और सोमवार को बरौनी से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 09 अक्टूबर 2025 तक चलेगी.

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और शाहपुर पटोरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09041/09042 उधना-बलिया स्पेशल (साप्ताहिक) (6 फेरे)

ट्रेन संख्या 09041 उधना - बलिया स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 06:40 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:15 बजे बलिया पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 सितंबर से 09 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09042 बलिया-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 23:30 बजे बलिया से प्रस्थान करेगी और रविवार को 12.45 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, विश्वामित्री, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंज बासौदा, बीना, ललितपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फ़तेहपुर, प्रयागराज जंक्शन, मिर्ज़ापुर, चुनार, वाराणसी, जौनपुर, औंडिहार और ग़ाज़ीपुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

5. ट्रेन 09067/09068 उधना - जयनगर स्पेशल (साप्ताहिक) (6 फेरे)

ट्रेन संख्या 09067 उधना - जयनगर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 12:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09068 जयनगर - उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को जयनगर से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 12:30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 6 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

6. ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना - समस्तीपुर स्पेशल (साप्ताहिक) (6 फेरे)

ट्रेन संख्या 09069 उधना - समस्तीपुर स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 20:35 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 02:00 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 21 सितंबर से 05 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर - उधना स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को समस्तीपुर से 05:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 07 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर और एसी -3 टियर (इकोनॉमी)कोच होंगे।

7. ट्रेन संख्या 09437/09438 गांधीधाम-सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) (8 फेरे)

ट्रेन संख्या 09437 गांधीधाम - सियालदह सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 18:25 बजे गांधीधाम से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 16.15 बजे सियालदह पहुंचेगी। यह ट्रेन 17 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09438 सियालदह-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक शनिवार 05:15 बजे सियालदह से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 02:00 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 20 सितंबर से 11 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

वक्फ संशोधन बिल 2025 को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी

मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी ने फैसले का किया स्वागत

कहा- अब कब्ज़ा मुक्त होगी वक्फ की जमीन

लखनऊ **(एजेंसी)**। वक्फ संशोधन बिल 2025 पर सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले का ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला मुसलमानों के लिए ऐतिहासिक है और अब वक्फ की जमीनों पर से भू माफिया का कब्जा हटेगा। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से इसी तरह के फैसले की उम्मीद थी। यह फैसला गरीब, कमजोर और लाचार मुसलमानों की आवाज बनकर आया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड पर वर्षों से चले आ रहे घोटालों और नाजायज कब्जों का हिसाब अब होना जरूरी है। मौलाना ने बताया कि वक्फ की जमीनें अब मुक्त होकर समाजहित में इस्तेमाल होंगी। इन पर यतीमखाने, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मस्जिद और मदरसे बनाए जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने दिखाई सख्ती

ई-केवाईसी नहीं कराने वालों को नहीं मिलेगा राशन! कार्ड होगा रद्द

लखनऊ **(एजेंसी)**। करोड़ों गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए जीवन रेखा की तरह काम करने वाले राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने राशन कार्ड की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और फर्जी कार्ड को जांच के बाद निरस्त करने का फैसला लिया है। इसे लेकर खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने हाल ही में नई गाइडलाइन जारी की हैं, जिन्हें दिसंबर 2025 तक पूरे देश में लागू कर दिया जाएगा। इनका सीधा असर करोड़ों गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ेगा। अब कार्डधारकों को सिर्फ गेहूं और चावल ही नहीं, बल्कि नमक, बाजरा और खाना पकाने का तेल जैसी वस्तुएं भी मिलेंगी। कई राज्यों में ये मुफ्त होंगी, जबकि कुछ जगह रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जुड़े परिवारों को गैस सिलेंडर पर भी छूट या मुफ्त सुविधा मिल सकती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पहले प्रति व्यक्ति 5-5 किलो गेहूं और चावल मिलता था, अब इसे बढ़ाकर 7-7 किलो करने की योजना है। इससे बड़े परिवारों को राहत मिलेगी और पोषण स्तर में सुधार होगा। राशन कार्ड से जुड़े सभी लाभ पाने के लिए अब ई-केवाईसी कराना जरूरी होगा।

अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कर दी अजीबोगरीब डिमांड, मैच रैफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को मैच रैफरी एंड पायक्रॉफ्ट पर भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उन्हें टूर्नामेंट से तुरंत हटाने की मांग की। जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर 69 वर्ष के पायक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के बीच मैच में मैच रैफरी थे, जिसमें मैच खत्म होने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने विरोधी टीम से हाथ नहीं मिलाया। पीसीबी ने आईसीसी के समक्ष पायक्रॉफ्ट के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी है। हालांकि, टूर्नामेंट आईसीसी नहीं बल्कि एशियाई क्रिकेट परिषद करा रहा है।

वहीं पीसीबी के प्रमुख मोहसिन नकवी ने एक्स पर लिखा कि, पीसीबी ने क्रिकेट की भावना से जुड़े एमसीसी के नियम और आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच रैफरी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। पीसीबी ने मैच रैफरी को एशिया कप से तुरंत हटाने की मांग की है। नकवी इस समय एसीसी के अध्यक्ष भी हैं। पाकिस्तान ने पहले एशियाई क्रिकेट परिषद के समक्ष मसला उठाकर भारतीय खिलाड़ियों के बर्ताव को खेलभावना के विपरीत बताया था। पीसीबी ने इससे पहले बयान में कहा कि टीम मैनेजर नवीद चीमा ने मैच के बाद हाथ नहीं मिलाने वाले भारतीय खिलाड़ियों के बर्ताव का कड़ा विरोध किया है। ये खेल भावना और खेल के विपरीत आचरण है। विरोध के तौर पर हमने अपने कप्तान को मैच के बाद समारोह में नहीं भेजा।

ये मामला अब तूल पकड़ गया है जिसकी शुरुआत ग्रुप ए के मैच में सिक्के की उछाल के साथ हुई जब सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। पीसीबी ने दावा किया है कि रैफरी पायक्रॉफ्ट ने दोनों कप्तानों से मैच से पहले हाथ मिलाने की परंपरा का पालन नहीं करने के लिए कहा था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार और पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने एक-दूसरे की तरफ देखा भी नहीं। दोनों टीमों के बीच एशिया कप में दो बार और टक्कर हो सकती है और भारत आगे भी हाथ नहीं मिलाने की नीति दोहरा सकता है।

सूर्यकुमार ने इससे पहले कहा था कि विरोधी टीम से हाथ नहीं मिलाना पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने का उनका तरीका था।

सेंट्रल जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब, कप्तान रजत पाटीदार ने 10 साल बाद टीम को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रजत पाटीदार की कप्तानी वाली सेंट्रल जोन ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराकर दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया। रजत पाटीदार और उनकी टीम को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए मुकाबले के पांचवें दिन दो घंटे से भी कम समय में मैच अपने नाम कर लिया। सेंट्रल जोन ने पहले दिन से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और साउथ जोन को पहली पारी में महज 149 रनों पर ढेर कर दिया। सारांश जैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। जबकि यश राठौड़ प्लेयर ऑफ द मैच बने। साउथ जोन को छह विकेट से हराकर 11 साल के अंतराल के बाद दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन बनने का गौरव सेंट्रल जोन ने हासिल किया। सेंट्रल जोन के सामने 65 रन का मामूनी लक्ष्य था लेकिन साउथ जोन के गेंदबाजों ने उनके बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था और ऐसे में सेंट्रल जोन को उसे हासिल करने में बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हुई। अक्षय वाडकर (नाबाद 19 रन, 52 गेंद) और पहली पारी के शतकवीर यश राठौड़ (नाबाद 13 रन, 16 गेंद) तब क्रीज पर थे, जब मध्य क्षेत्र ने 20.3 ओवर में चार विकेट पर 66 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया और दलीप ट्रॉफी में अपना सातवां खिताब जीता। बाएं हाथ के स्पिनर अंकित शर्मा ने दानिश मालेवार (05) को आउट किया। उनकी गेंद तेजी से घूमी और बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास पहुंची। बाद में उन्होंने सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी लिया, जो जल्दबाजी में स्लॉग स्वीप खेलने के चक्कर में मिड-ऑन पर एमडी निधिश के हाथों कैच आउट हो गए। रविवार को भारत ए टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने शुभम शर्मा और सारांश जैन (जिन्हें बाद में सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया) के विकेट चटकाए। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी राठौड़ और वाडकर ने इसके बाद सेंट्रल जोन को लक्ष्य तक पहुंचाया। पाटीदार का कप्तान के रूप में यह इस वर्ष का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत दिलाई थी और वह इससे काफी खुश हैं। उन्होंने मैच के बाद रजत ने कहा कि, हर कप्तान को ट्रॉफी जीतना पसंद होता है। हमारे खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त जज्बा दिखाया और मैं इससे बहुत खुश हूं। दूसरी तरफ साउथ जोन के कप्तान अजहरुद्दीन ने कहा कि दलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचना उनके लिए लंबे घरेलू सत्र में प्रेरणा का काम करेगा, जो अब 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी चरण में प्रवेश करेगा।

पाकिस्तान ने दी धमकी, यूएई के खिलाफ आगामी एशिया कप मैच का करेगा बहिष्कार

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। दुबई में भारत के खिलाफ मैच के बाद हुए तीखे विवाद के बाद मौजूदा एशिया कप 2025 में पाकिस्तान की भागीदारी पर संदेह के बादल छा गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 17 सितंबर को रात 8:00 बजे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ होने वाले अपने अगले ग्रुप-स्टेज मैच का बहिष्कार करने की धमकी दी है। यह विवाद रविवार को मैच शुरू होने से पहले ही शुरू हो गया था। राष्ट्रगान के दौरान स्टेडियम के लाउडस्पीकरों पर गलती से आधिकारिक राष्ट्रगान की बजाय 'जलेबी बेबी' गाना बज गया जिससे भ्रम और शर्मिंदगी की स्थिति पैदा हो गई। रिपोर्टों के अनुसार टॉस के कुछ क्षण बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने प्रतिद्वंदी सलमान अली आगा से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। भारत की शानदार जीत के बाद तनाव और गहरा गया, जब किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने मैदान छोड़ने से पहले अपने पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वियों से हाथ नहीं मिलाया। हाथ न मिलाने ने पाकिस्तानी टीम को नाराज कर दिया। कप्तान सलमान अली आगा ने विरोधस्वरूप मैच के बाद की प्रस्तुति में भाग नहीं लिया, जबकि पीसीबी ने 15 सितंबर को भारतीय खिलाड़ियों और आईसीसी मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पाकिस्तान के अनुसार पाइक्रॉफ्ट ने कथित तौर पर सलमान को टॉस के समय भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने की सलाह दी थी जिसे पीसीबी ने 'क्रिकेट की भावना' के खिलाफ बताया।

पीसीबी प्रमुख और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सार्वजनिक रूप से पाइक्रॉफ्ट पर आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया और उन्हें हटाने की मांग की। यह विवाद ऐसे संवेदनशील समय में सामने आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध पहले से ही राजनीतिक तनाव और हालिया सुरक्षा चिंताओं के कारण तनावपूर्ण हैं। हालांकि भारत ने 25 गेंदें और सात विकेट शेष रहते पाकिस्तान को हरा दिया, लेकिन उसके बाद से मैच मैदान के बाहर के नाटक के कारण फीका पड़ गया है। पाकिस्तान अब इस बात पर अड़ा है कि जब तक मैच रेफरी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती और उसकी शिकायतों का समाधान नहीं किया जाता, वह यूएई के खिलाफ अपने तीसरे ग्रुप मैच में खेलने से इनकार कर सकता है।

अगस्त में निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर पर, आयात 10 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश का निर्यात अगस्त महीने में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया जबकि आयात 10.12 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वाणिज्य मंत्रालय ने अगस्त महीने के व्यापार आंकड़े जारी करते हुए कहा कि अगस्त महीने में देश का व्यापार घाटा 26.49 अरब डॉलर पर आ गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 35.64 अरब डॉलर था। पिछले महीने देश ने कुल 35.1 अरब डॉलर का निर्यात किया जो एक साल पहले की समान अवधि में 32.89 अरब डॉलर था।

इस दौरान देश का आयात घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया जो पिछले साल के समान माह में 68.53 अरब डॉलर था। अगस्त माह के बेहतर प्रदर्शन से चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में देश का कुल निर्यात 184.13 अरब डॉलर हो गया जबकि इस दौरान कुल आया 306.52 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने इन व्यापार आंकड़ों पर संवाददाताओं से कहा कि वैश्विक और व्यापार नीति संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यातकों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने किया कमाल जो कोहली-धोनी नहीं कर पाए वो एसकेवाई ने कर दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7 विकेट से शिकस्त दी। भारत ने दुबई के मैदान पर 128 रनों का लक्ष्य 25 गेंद बाकी रहते आसानी से हासिल कर लिया। ये सूर्यकुमार यादव का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान 24वां मैच था। उनका बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। सूर्या ने वो कमाल किया है जो विराट कोहली और एमएस धोनी भी नहीं कर सके। दरअसल, सूर्या ने 24 टी20 मैचों के बाद बतौर भारतीय कप्तान कोहली और धोनी से ज्यादा जीत हासिल की हैं। उन्होंने अब तक कप्तान के रूप में 19 मैच जीते हैं। उन्होंने 2023 में पहली बार भारत की कमान संभाली थी। वहीं, कोहली ने 24 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कप्तानी करने के बाद 14 मैच जीते थे। हालांकि, उन्होंने सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत की कुल 50 मैचों में बागडर संभाली, जिसमें से 30 जीते। वह टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। धोनी ने 24 टी20 मैचों में कप्तानी करने के बाद महज 11 मुकाबले ही जीते थे। सबसे सफल कप्तानों में शुमार धोनी ने अपने करियर में सबसे छोटे फॉर्मेट में कुल72 मैचों में नेतृत्व किया और 41 बार विजयी परचम फहराया। 24 टी20 इंटरनेशनल मैचों के बाद रोहित शर्मा ने बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा जीत दर्ज की हैं। उन्होंने 20 मैचों में जीत का स्वाद चखा था। रोहित ने अपने करियर में क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत की 62 मैचों में कप्तानी की, जिसमें 49 बार जीत हासिल की। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले कप्तान हैं। रोहित भी टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। वह फिलहाल भारतीय वनडे टीम के कप्तान हैं। इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मैच की बात करें तो सूर्यकुमार ने ना सिर्फ कप्तान के रूप में बल्कि से भी छाप छोड़ी। उन्होंने 37 गेंदो में नाबाद 47 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक सिक्स शामिल है। सूर्या ने छक्का लगाकर जीत दिलाई थी।

दिशा पाटनी के घर गोलीबारी : सीएम योगी का सख्त संदेश पिता को दिया सुरक्षा का आश्वासन, बोले- जल्द होगा खुलासा

बरेली । बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के पैतृक घर के बाहर शुक्रवार देर रात गोलीबारी हुई थी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने बताया कि गैंगस्टर गोल्डी बरार ने सोशल मीडिया पर इस घटना की ज़िम्मेदारी ली है।

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर गोलीबारी का मामला सामने आने के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिशा के पिता जगदीश पाटनी से बात की और पाटनी परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी ने घटना का जल्द खुलासा करने के निर्देश भी दिए। दिशा पाटनी के पिता ने सीएम योगी से बात होने की पुष्टि की है। बता दें कि गोल्डी बरार गैंग ने गुरुवार रात दिशा के घर पर कई राउंड फायरिंग की थी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के चौपला चौराहे के पास का है। सीएम योगी से बात करने के बाद दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी का बयान भी सामने आया है।

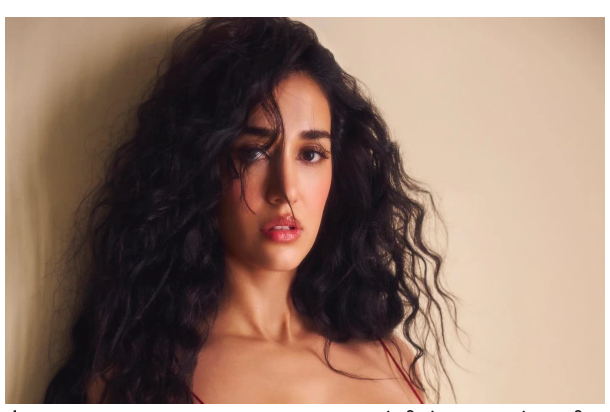

बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी के घर पर बदमाशों ने गोलीबारी की। यह घटना सुबह करीब साढ़े तीन बजे अंजाम दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना के सामने आने के बाद दिशा पटानी के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इस संबंध में, बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा, 'बरेली के थाना कोतवाली क्षेत्र में सेवानिवृत्त सीओ जगदीश पाटनी के घर पर हुई गोलीबारी के संबंध में पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी शामिल होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

गौरतलब है कि दिशा पटानी एक लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री हैं जिन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। वह इस समय न्यूयॉर्क में हैं। न्यूयॉर्क फैशन वीक में अपनी ड्रेस से भी उन्होंने सबका ध्यान खींचा था।

बरेली में अपने परिवार के घर के बाहर हुई गोलीबारी की चौंकाने वाली घटना के कुछ दिनों बाद, भारतीय सेना की सेवानिवृत्त मेजर और बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी की बड़ी बहन खुशबू पटानी ने इंस्टाग्राम पर आत्मरक्षा पर एक कड़ा संदेश दिया। अपने हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में, खुशबू ने दिखाया कि कैसे डेटा केबल जैसी साधारण रोज़मर्रा की चीज़ों का इस्तेमाल खतरे के समय में खुद को बचाने के लिए रचनात्मक तरीके से किया जा सकता है।

भारत की बेरोजगारी दर में सुधार लगातार दूसरे महीने आई गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2025 में भारत के श्रम बाज़ार ने सकारात्मक रुख दिखाया है। इस दौरान कुल बेरोजगारी दर जुलाई में 5.2 फीसदी से घटकर अगस्त में 5.1 फीसदी पर आ गई। यह लगातार दूसरा महीना है जब इसमें गिरावट दर्ज हुई है।

शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर जुलाई के 7.2 फीसदी से घटकर अगस्त में 6.7 फीसदी रही। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा मामूली गिरावट के साथ 4.4 फीसदी से घटकर 4.3 फीसदी पर पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2025 में पुरुषों की बेरोजगारी दर 5इ रही, जो पिछले पांच महीनों का सबसे निचला स्तर है। महिलाओं की स्थिति में भी सुधार देखने को मिला है। महिला वर्कर पॉपुलेशन रेशियो (डब्ल्यूपीआर) जून के 30.2इ और जुलाई के 31.6इ से बढ़कर अगस्त में 32इ पर पहुंच गया।

कुल मिलाकर, अगस्त में ओवरऑल डब्ल्यूपीआर बढ़कर 52.2इ हो गया है, जो जुलाई में 52इ और जून में 51.2इ था। इसी तरह महिला श्रम बल भागीदारी दर भी जून के 32इ और जुलाई के 33.3इ से बढ़कर अगस्त 2025 में 33.7इ पर पहुंच गई।

महाराष्ट्र शासन
इलाखा शहर विभाग, (सा.बां.)

ई-निविदा सुचना क्र. 43 सन 2025-2026

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई (दुरध्वनी क्रमांक-२२०१६९७५ / २२०१६९७७) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक बांधकाम खात्याकडे योग्य वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून खालील कामाकरीता ब-१ नमुन्यातील निविदा ई-निविदा प्रणालीव्दारे (ऑनलाईन) मागवित आहेत. निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम रू. लक्ष
१.	मलबार हील मुंबई येथील वेस्ट डिवीजन, पोलीस स्टेशन व सहयाद्री स्टेट गेस्ट हाउस, विस्तार इमारत येथे वार्षिक दुरुस्ती व देखभाल करणे.	४६.४९
२.	मलबार हील मुंबई येथील वर्षा बंगला येथे डबल बेड मॅटर्स, सोफा व इतर कामे करणे.	२०.४७
३.	शहीद भगत सिंग मार्ग मुंबई येथील जुने जकात घर आवार मॅरेज ऑफिसर व रजिटर ऑफ मॅरेज स्टेज येथे दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	१९.४४
४.	सी.एम.एम कोर्ट आवार ४ युरोपियन ऑफिसर क्वार्टर्स, सब इस्पेक्टर क्वार्टर्स ७ कॉस्टेबल क्वार्टर्स ४ हेड कॉन्स्टेबल क्वार्टर्स येथे वार्षिक देखभाल व दुरुस्ती करणे.	१८.९६
५.	कारवार स्ट्रीट पोलीस स्टेशन फोर्ट मुंबई येथील बी विंग तळमजला ते ३ मजला प्लास्टर, पॉलीमर मोर्टर, फ्लोरींग, डॅडो प्रसाधनगृह, जीना, पॅसेज येथे दुरुस्ती व नुमनीकरण करणे.	२४.९३
६.	कारवार स्ट्रीट पोलीस स्टेशन फोर्ट मुंबई आरसीसी, ब्रीक वर्क, ग्रील येथे दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	२४.३९
७.	चर्चगेट मुंबई येथील यशोधन इमारत रुम नं.१४ येथे दुरुस्ती करणे.	२३.४१
८.	बेलहेवन मुंबई येथील फ्लॅट नं. २८ येथे प्लास्टर, टाईल्स, पॉलिमर मोर्टर, दरवाजा, खिडक्या, प्रसाधनगृह, किचन ओटा, येथे रंगकाम व दुरूस्ती करणे.	१३.२८
९.	नविन विधानभवन मुंबई येथील टॉवर इमारतीचे कार्यालयमधील खिडक्यांची नुतनीकरण करणे.	२२.८१
१०.	नविन विधानभवन मुंबई येथील टॉवर इमारत तळमजल्यावरील दरवाजा, खिडक्या, पाईप लाईन, चेंबर येथील दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	११.३७
११.	मंत्रालय मुंबई मुख्य इमारत ६ मजल्यावरील प्रिन्सीपल सेक्रेटरी कॅबीन नुतनीकरण करणे.	१०.८७
१२.	मंत्रालय मुंबई येथील मुख्य इमारत येथील ३ व ४ मजल्यावरील कार्यालयात मंत्री चेंबर व विविध विभाग येथे रंगकाम व पॉलिशींग करणे.	१६.८६
१३.	उच्च न्यायालय मुंबई पी. डबल्यु.डी. विस्तार इमारत २ मजल्यावरील टेस्टमेंटरी विभाग येथे नुतनीकरण करणे.	१७.१६
१४.	पी डीमलो रोड मुंबई येथील कंमाडो आणि कॉन्सेटबल क्वार्टस इमारतीचे दुरुस्ती नुतनीकरण, आणि संरचनात्मक मजबुतीकरण करणे.	२४.८४
१५.	एल टी. मार्ग मुंबई येथील सीपी ऑफिस आवार ॲडमिन इमारत ३ मजल्यावरील डीसीपी कॅबीन प पीआय कॅबीन येथे ग्लास पार्टीशनचे काम करणे.	१४.७७
१६.	मलबार हिल मुंबई येथील वर्षा बंगला येथे शेड किचन प्लॅटफॉर्म, क्रॉक्रीट व इतर दुरूस्तीची कामे करणे.	१९.५३
१७.	आकाशवाणी आमदार निवास मुंबई येथील वार्षिक देखभाल व दुरुस्तीची करणे.	६५.०७
१८.	पीडीमेलो रोड मुंबई येथील कमांडो स्टोर व कॉस्टेबल क्वार्टर्स इमारत तळमजल्यावरील पॉलीमर मोटर, फ्लोरींग, दरवाजा, खिडक्या, ट्रेड, जीना ब्लॉक येथे प्लास्टर, रंगकाम, नुतनीकरण व दुरुस्ती करणे.	२४.७८

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी दि. १५.९.२०२५ ते दि. २२.९.२०२५ पर्यंत.
ई-निविदा उघडणे - दि. २३.९.२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजता
निविदा सुचने मध्ये काही बदल/सुधारणा करावयाची असल्याचे शुध्दीपत्रक वृत्तपत्रामध्ये प्रसिध्द करण्यात येणार नाही. त्याबत सर्व बदल ऑनलाईन निविदा प्रक्रियेमध्ये प्रसिध्द केले जाईल.
खालील संकेतस्थळावरुन ई-निविदाची सर्व माहीती उपलब्ध आहे.
१) www.mahapwd.com
२) http://mahatenders.gov.in

जा.क्रं. इशवि/निलि/९४८०
कार्यकारी अभियंता
इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय,
सार्वजनिक बांधकाम विभाग,
२ रा मजला, बांधकाम भवन, २५ मर्झबान रोड, फोर्ट,
मुंबई- ४०० ००१.
Email: presidency.ee@mahapwd.gov.in
दिनांक : ११.०९.२०२५

DGIPR/2025-26/2551

(व्ही.ए. पाटसकर)
कार्यकारी अभियंता
इलाखा शहर विभाग, मुंबई

शशांक खेतान की 'सनी संस्कारी' का ट्रेलर दशहरा पर 'हम्प्टी' वाला रोमांस और कॉमेडी का तड़का!

मुंबई। पिछले कुछ सालों में सिनेमा काफ़ी विकसित हुआ है। चाहे वो कहानियाँ हों, वीएफएक्स हों या संगीत। लेकिन आज भी, हममें से ज़्यादातर लोगों के दिलों में 2000 के दशक के रोमांटिक कॉमेडी के ज़माने के लिए एक खास़ जगह है। हाल ही में, जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फ़िल्म परम सुंदरी ने हमें पुराने ज़माने की याद दिला दी, जिसमें पुराने ज़माने का रोमांस वापस लाया गया। खैर, जान्हवी और वरुण धवन की आने वाली रोमांटिक कॉमेडी फ़िल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी उसी रास्ते पर चलती दिख रही है, लेकिन उससे भी ज़्यादा मज़ेदार। कम से कम शशांक खेतान की इस आने वाली फ़िल्म का मज़ेदार ट्रेलर तो यही कहता है, जहाँ वरुण और जान्हवी अपने एक्स, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ़ को वापस पाने की कोशिश करते हैं। और हाँ, शशांक की बतौर निर्देशक पहली फ़िल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया (2014) का माहौल बिलकुल वैसा ही है, बिना आलिया भट्ट के।

शशांक खेतान द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक रंगीन, मज़ेदार और ग्लैमरस सफ़र लगती है, जिसमें चटपटे संवाद और प्रेम व पारिवारिक ड्रामा का एक मज़ेदार मिश्रण है।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का ट्रेलर 1998 में आई अजय देवगन और काजोल अभिनीत फिल्म 'प्यार तो होना ही था' की यादें ताज़ा कर देता है। अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी भी कुछ ऐसी ही थी, जिसमें दोनों किरदार अपने पूर्व प्रेमी को वापस पाने के लिए प्रेमी होने का नाटक करते हैं, लेकिन अंत में उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो जाता है।

ट्रेलर में कई रोमांचक पल हैं, जिसमें वरुण-जान्हवी के बीच इस बात पर बहस भी शामिल है कि कौन 'ज़्यादा मध्यमवर्गीय' है। ट्रेलर के अंत में एक दृश्य में वरुण गोविंदा के एक मशहूर डायलॉग पर चुटकी भी लेते हैं। यह फिल्म इस साल 2 अक्टूबर को दशहरा पर बड़े पर्दे पर रिलीज़ होगी। इसका निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने किया है।

10वें आयुर्वेद दिवस पर पर्यावरण एवं आयुर्वेद पर वैज्ञानिक संगोष्ठी

आयुर्वेद व्यक्ति एवं पर्यावरण के बीच सामंजस्य पर आधारित जीवन विज्ञान - बी के सिंह

प्रयागराज। विश्व आयुर्वेद मिशन एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान शिक्षा परिषद पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दशम आयुर्वेद दिवस पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रयागराज के पूर्व कमिश्नर बी के सिंह (से.नि.आई एएस) उपस्थित रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता केन्द्र प्रमुख एवं वैज्ञानिक जी, डॉ संजय सिंह ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चन से हुआ। इसके बाद संस्थान के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया एवं बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। पेड़ पौधों, पशुओं एवं पर्यावरण के स्वास्थ्य के बिना मानव स्वास्थ्य अधूरा है। तदुपरांत मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ जी एस तोमर ने आयुर्वेद दिवस के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं बताया कि आयुष मंत्रालय ने अब से 23 सितम्बर को प्रति वर्ष आयुर्वेद दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष का थीम 'आयुर्वेद जन जन के लिए एवं पृथ्वी के कल्याण के लिये' है। इसका लक्ष्य आयुर्वेद को आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है।

भारतीय संस्कृति विश्व के कल्याण की कामना करती है। अतः स्वास्थ्य के लिए समर्पित यह भारतीय विधा पृथ्वी के कल्याण के लिए समर्पित है। आयुर्वेद मानव के साथ-साथ पशु पक्षी, पेड़ पौधे तथा पर्यावरण के स्वास्थ्य का भी साधन है। डॉ तोमर ने बताया कि आयुर्वेद केवल औषधि निर्माणशालाओं में निर्मित औषधियों तक ही सीमित नहीं है, प्रकृति में विद्यमान असंख्य जड़ी बूटियां एवं हमारे रसोई घर में उपलब्ध मिनी फार्मेसी हमारा विशाल औषधि भण्डार है। इसके साथ-साथ हमारी जीवनशैली न केवल स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अमृतवत फलदायी है अपितु असंख्य रोगों के लिए संजीवनी भी है। मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में पूर्व कमिश्नर बी के सिंह ने आयुर्वेद दिवस पर प्रायोजित इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा आयुर्वेद आज विश्व के आकर्षण का केन्द्र बनता जा रहा है। इस स्थिति में हमें समय परीक्षित इस विधा को साक्ष्य आधारित शोध से पुष्ट करना होगा। तभी यह विधा वैश्विक क्षितिज पर लोकप्रिय एवं लाभकारी सिद्ध हो सकेगी। उन्होंने आयुर्वेद के व्यावहारिक पक्ष पर छोटे उदाहरण देकर अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अन्त में वैज्ञानिक एफ डॉ अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संगोष्ठी में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ आलोक यादव, डॉ अनुभा श्रीवास्तव एवं कर्मचारियों के साथ सुदर्शन आयुर्वेद के एमडी राजेन्द्र सिंह, एम क्यूब डायरेक्टर अनुराग अस्थाना एवं डॉ आशीष मौर्य उपस्थित रहे।संचालन विश्व आयुर्वेद मिशन के सह सचिव एवं राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अवनीश पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर औषधि पौधारोपण एवं वितरण भी किया गया एवं कार्यक्रम का आयोजन में वैद्यनाथ के प्रतिनिधि प्रणय चक्रवर्ती एवं शशांक पाण्डेय ने सहयोग प्रदान किया।

1 करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर ढेर, अमित शाह बोले- पूरे देश से खत्म होगा नक्सलवाद

रांची। झारखंड के हज़ारीबाग ज़िले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी नेता और दो अन्य वरिष्ठ माओवादियों को मार गिराया गया।

मारे गए कमांडर की पहचान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य सहदेव सोरेन के रूप में हुई है। वह पूर्वी भारत के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को एंटी नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता करार दिया।

अमित शाह ने ट्वीट किया कि उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज झारखंड के हज़ारीबाग में सीआरपीएफ़ की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। इस अभियान में एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली कमांडर, सीसीएम सहदेव सोरेन उर्फ़ परवेश को ढेर कर दिया गया है। इसके अलावा, दो अन्य इनामी नक्सली - रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ़ चंचल और बीरसेन गंझू उर्फ़ रामखेलावन - भी सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराए गए हैं। इस अभियान के बाद, उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

झारखंड पुलिस के अनुसार, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह पुलिस और हज़ारीबाग पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। गिरिडीह-बोकारो सीमा के पास टाटीझरिया थाना क्षेत्र के करंडी गाँव में सुबह लगभग 6 बजे गोलीबारी शुरू हुई। मुठभेड़ में दो अन्य माओवादी नेता बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी का 25 लाख रुपये का इनामी सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ ??चंचल और 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य बीरसेन गंझू उर्फ ??रामखेलावन भी मारे गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने तीनों उग्रवादियों के शव बरामद कर लिए। अधिकारियों ने बताया कि जंगली इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने वनतारा को 'क्लीन चिट' दी

नई दिल्ली।वनतारा से जुड़े मामलों की जांच कर रहे उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गुजरात के जामनगर स्थित इस प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र को 'क्लीन चिट' दे दी है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लिया और कहा कि अधिकारियों ने वनतारा में अनुपालन और नियामक उपायों के मुद्दे पर संतोष व्यक्त किया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को प्रस्तुत की गई थी और शीर्ष अदालत ने सोमवार को इसका अवलोकन किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद एक विस्तृत

आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत ने भारत एवं विदेशों से जानवरों, विशेष रूप से हाथियों के अधिग्रहण के मद्देनजर कानूनों का पालन न करने के आरोपों पर वनतारा के खिलाफ तथ्यान्वेषी जांच करने के लिए 25 अगस्त को विशेष जांच दल का गठन किया था।

शीर्ष अदालत ने मीडिया और सोशल मीडिया में आई खबरों और गैर सरकारी संगठनों व वन्यजीव संगठनों की विभिन्न शिकायतों के आधार पर वनतारा के खिलाफ अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में चार सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। शीर्ष अदालत ने 14 अगस्त को याचिकाकर्ता सी आर जया सुकिन द्वारा दायर याचिका को 'पूरी तरह से अस्पष्ट' बताया, जिसमें वनतारा में कथित तौर पर कैद किये गए हाथियों को उनके मालिकों को वापस करने के लिए एक निगरानी समिति गठित करने का अनुरोध किया गया था।

एमपी में लैंड पूलिंग एक्ट का तगड़ा विरोध भारतीय किसान संघ ने पीएम नाम सौंपा ज्ञापन

उज्जैन **(एजेंसी)**। 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ के लिए किसानों की जमीनों के स्थायी अधिग्रहण के मामले को लेकर भारतीय किसान संघ ने सोमवार को पूरे मध्य प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया। उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र के करीब 17 गांवों के किसानों की जमीनों के अधिग्रहण को लेकर किसान और किसान संघ ने प्रदेश भर में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को उज्जैन में लगभग 500 से अधिक ट्रैक्टरों की रैली निकाली जाएगी। इस विरोध प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा भी शामिल हुए। मिश्रा ने लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर आगे के आंदोलन की घोषणा की।

लैंड पूलिंग एक्ट पर विरोध के सवाल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार विकास कार्यों में सभी से संवाद करती है। हमारा उद्देश्य है कि सभी हितधारकों को साथ लेकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाए।

किसानों की मांगें है कि 'खेती में लगने वाले बीज, खाद, दवाई और यंत्रों से जीएसटी पूरी तरह हटाया जाए। फसलों की आयात-निर्यात नीति किसानों के हित में बनाई जाए। खेती के सभी यंत्र, दवाइयां और बीज पर कम जीएसटी दर रखी जाए। जीएम बीजों को देश में आने की अनुमति न दी जाए। कपास पर हटाए गए आयात शुल्क को पुनः लागू किया जाए। जमीन का अधिग्रहण केवल राष्ट्रीय महत्व और विकास योजनाओं के लिए हो। पूरे देश में इसके लिए समान कानून बने। बैंकों की वजह से किसानों को योजनाओं का पूरा फायदा न मिलना। हर जिले में अधिकारी और हेल्पलाइन की स्थापना। कृषि लोन और केसीसी की प्रक्रिया आसान, ऑनलाइन और पारदर्शी की जाए; परेशान करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई। मुद्रा लोन की तरह कृषि लोन तुरंत मिले। खेती में लगने वाले डीजल पर जीएसटी लागू किया जाए। किसानों का कहना है कि ये मांगें उनकी खेती और जीवन यापन को सुरक्षित करने के लिए जरूरी हैं।

ब्रिटेन में सिख युवती से दुष्कर्म के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, नस्लवादी हमले का आरोपी गिरफ्तार

लंदन **(एजेंसी)**। ब्रिटेन में सिख महिला के नस्लीय यौन उत्पीड़न के खिलाफ रविवार को, स्थानीय सिख समुदाय ने एकजुटता दिखाने के लिए हमले वाली जगह पर रोष मार्च निकाला और पीड़िता और उसके परिवार के लिए प्रार्थना की। जांच कर रही ब्रिटिश पुलिस ने दुष्कर्म के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध की उम्र 30 से 35 वर्ष के आसपास है जिसे रविवार को हिरासत में लिया गया था और वह गत मंगलवार को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में हुए 'नस्लीय भावना के चलते किए गए बलात्कार' की जांच के सिलसिले में अब भी हिरासत में है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा कि 20 से 25 साल उम्र की महिला को जांच के दौरान लगातार सहयोग मिल रहा है। सैंडवेल पुलिस की मुख्य अधीक्षक किम मैडिल ने कहा, ''यह जांच में एक महत्वपूर्ण प्रगति है और हम समुदाय को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।''

उन्होंने कहा, ''जांच अभी जारी है और हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे अटकलें न लगाएं क्योंकि हम उन सभी लोगों की पहचान करने और

उनका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जो इसमें शामिल हो सकते हैं।'' पुलिस बल ने न्यायिक प्रक्रिया को अपना काम करने देने के महत्व पर भी जोर दिया। वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र से ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''ओल्डबरी में एक सिख युवती पर हुए भयानक हमले से मैं बेहद स्तब्ध हूं।

यह एक अत्यधिक हिंसात्मक कृत्य था, लेकिन इसे नस्लीय रूप से उत्तेजित करने वाला भी माना जा रहा है, क्योंकि कथित तौर पर अपराधियों ने उससे कहा था कि वह 'यहां की नहीं है'।'' सांसद ने कहा, ''वह यहीं की है। हमारे सिख समुदाय और हर समुदाय को सुरक्षित, सम्मानित और मूल्यवान महसूस करने का अधिकार है। ओल्डबरी या ब्रिटेन में कहीं भी नस्लवाद और स्त्री-द्वेष के लिए कोई जगह नहीं है। मेरी संवेदनाएं पीड़िता, उसके परिवार और सिख समुदाय के साथ हैं।''

स्मेथविक से लेबर पार्टी के सिख सांसद गुरिंदर सिंह जोसन ने कहा था कि इस 'वास्तव में भयावह हमले' ने पीड़िता को सदमे में डाल दिया है और उन्होंने किसी भी जानकारी रखने वाले व्यक्ति से 'घृणा अपराध' की जांच में पुलिस की मदद करने की अपील की। इससे पहले, पुलिस ने कहा था कि समझा जा रहा है कि दो श्वेत पुरुष संदिग्धों ने पीड़िता को निशाना बनाया और हमले के दौरान 'नस्लवादी टिप्पणी' की। सिख यूथ यूके और सिख फेडरेशन यूके संगठन इस हमले के बाद पीड़िता और उसके परिवार का समर्थन कर रहे हैं।

रूस से तेल खरीदने पर भारत को झटका
यूक्रेन ने 1 अक्टूबर से डीजल खरीद पर लगाई रोक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यूक्रेन ने घोषणा की है कि वह 1 अक्टूबर से भारत से आने वाले डीजल पर रोक लगाएगा। यूक्रेन की ऊर्जा कंसल्टेंसी एनकॉर ने बताया कि भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता है और इसी वजह से यह कदम उठाया जा रहा है। यूक्रेन की एक बड़ी रिफाइनरी गर्मियों में खराब हो गई थी, जिसके चलते व्यापारियों और यहां तक कि रक्षा मंत्रालय को भी भारत से डीजल खरीदना पड़ा। भारत से खरीदा गया डीजल पुराने सोवियत मानकों पर खरा उतरता है। इस बीच रूस लगातार यूक्रेन की रिफाइनरियों और ईंधन स्टोरेज पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। एनकॉर ने कहा कि अब भारत से आने वाले हर डीजल कंसाइनमेंट की लैब में जांच होगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसमें रूसी तेल तो शामिल नहीं है। एनकॉर ने बताया कि अगस्त 2025 में यूक्रेन ने भारत से 1.19 लाख टन डीजल खरीदा था, जो उसके कुल आयात का 18इ था। 2022 से पहले यूक्रेन ज्यादातर डीजल रूस और बेलारूस से खरीदता था। युद्ध शुरू होने के बाद उसने यूरोपीय देशों से डीजल लेना शुरू किया। हालांकि इस साल के पहले छह महीनों में उसका डीजल आयात 13इ घटकर 2.74 मिलियन टन रह गया है। भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है क्योंकि यह मध्य पूर्व की तुलना में काफी सस्ता है। रूस का यूराल क्रूड तेल ब्रेंट क्रूड से 5-6 डॉलर प्रति बैरल सस्ता मिल रहा है।

एआई के दम पर जीडीपी में 2035 तक 600 अरब डॉलर की वृद्धि संभव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तमाम उद्योगों में कृत्रिम मेधा (एआई) को तेजी से अपनाने से वर्ष 2035 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 500 से 600 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। नीति आयोग की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। 'विकसित भारत के लिए एआईः त्वरित आर्थिक वृद्धि के लिए अवसर' शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि आने वाले दशक में उद्योगों के भीतर एआई के व्यापक उपयोग से वैश्विक अर्थव्यवस्था में 17 से लेकर 26 लाख करोड़ डॉलर तक का योगदान हो सकता है। रिपोर्ट कहती है, ''विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित के क्षेत्रों में विशाल कार्यबल की मौजूदगी, तेजी से बढ़ते शोध एवं विकास तंत्र और मजबूत डिजिटल क्षमताएं भारत को इस परिवर्तन में अहम भागीदार बना सकती हैं। इससे भारत को वैश्विक एआई मूल्य का 10 से 15 प्रतिशत तक हासिल करने का अवसर मिलेगा।'' नीति आयोग ने कहा कि एआई से कई नए रोजगार पैदा होंगे लेकिन लिपिकीय, नियमित और निम्न कौशल वाले कई मौजूदा कामकाज प्रभावित भी होंगे। रिपोर्ट कहती है कि एआई के त्वरित क्रियान्वयन का वित्तीय सेवाओं एवं विनिर्माण क्षेत्र पर सबसे बड़ा असर देखने को मिल सकता है। इन क्षेत्रों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 20 से 25 प्रतिशत तक योगदान एआई के जरिए हो सकता है। एआई से वित्तीय सेवाओं में अनुपालन, धोखाधड़ी की पहचान और जोखिम प्रबंधन जैसे कार्यों को स्वचालित बनाने की क्षमता बताई गई है। वहीं विनिर्माण क्षेत्र में 85 से 100 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त उत्पादकता वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर से वर्ष 2035 तक भारत की जीडीपी 6.6 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है, जबकि आठ प्रतिशत की आकांक्षी वृद्धि दर हासिल करने पर यह 8.3 लाख करोड़ डॉलर तक जा सकती है।

जेलेंस्की की चेतावनी : यूरोप की दहलीज तक पहुंचा युद्ध!
रोमानिया में भी दिखे रूसी जेट, पोलैंड में नाटो सैनिकों की तैनाती को मंजूरी

कीव **(एजेंसी)**। रूस-यूक्रेन युद्ध अब यूरोप की दहलीज तक पहुंच गया है। बीते हफ्ते पोलैंड और फिर रोमानिया के हवाई क्षेत्र में रूसी ड्रोन घुसपैठ के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। इसी के चलते पोलैंड सरकार ने अपनी जमीन पर नाटो सैनिकों की तैनाती की मंजूरी दे दी है।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रोमानिया की सीमा में रूसी ड्रोन घुसपैठ को युद्ध का विस्तार करार दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में यह लड़ाई अन्य यूरोपीय देशों तक भी फैल सकती है।

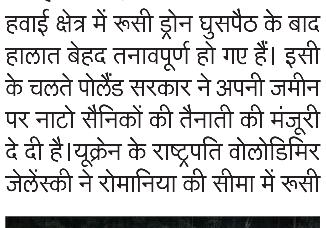

पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नवरोकी ने कहा कि रूस की हरकतों के बाद देश को मज़बूत सुरक्षा की ज़रूरत है। उन्होंने नाटो का आर्टिकल-4 लागू किया और सीमा के पास हेलीकॉप्टर व लड़ाकू विमान तैनात करने का आदेश दिया। इसके साथ ही 'ऑपरेशन ईस्टर्न संेट्री' के तहत पोलिश इलाके में नाटो सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी गई है।शनिवार को रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान एक ड्रोन उनकी सीमा में दाखिल हुआ।

हंगरी ने भी हालात पर कड़ी निगरानी रखते हुए अपने इ-16 विमान अलर्ट पर भेज दिए हैं।हालांकि, रूस ने पोलैंड और रोमानिया में ड्रोन घुसपैठ से साफ इनकार किया है। मॉस्को के प्रवक्ता ने कहा कि ये ड्रोन दरअसल यूक्रेन की ओर से छोड़े गए थे।रूस के यूक्रेन पर आक्रमण (फरवरी 2022) के बाद यह पहली बार है जब नाटो ने रूस की सीधी गतिविधियों पर इतनी आक्रामक प्रतिक्रिया दी है। पहले नाटो केवल अभ्यास करता दिख रहा था, लेकिन अब हालात यूरोप-रूस टकराव की ओर बढ़ते नजर आ रहे हैं।

इजरायल से खौफजदा मुस्लिम वर्ल्ड! तुर्की को सता रहा हमले का डर, बोला- लगता अब हमारी बारी

यरुशलम **(एजेंसी)**। कतर पर हाल ही में हुए इजरायली हवाई हमले के बाद मुस्लिम देशों में गुस्सा और बेचैनी बढ़ गई है। इस बीच तुर्की को भी इजरायली हमले का खौफ सताने लगा है, क्योंकि इजरायल पहले ही यमन, लेबनान, ईरान, सीरिया, फिलिस्तीन और कतर पर कार्रवाई कर चुका है। दोहा में सोमवार को आयोजित अरब-इस्लामिक समिट में 50 से अधिक मुस्लिम देशों के नेता जुट रहे हैं।

इजरायल का आरोप है कि तुर्की ने लंबे समय से हमास को शरण, आर्थिक मदद और वैचारिक समर्थन दिया है। तुर्की में हमास की लीडरशिप के मौजूद होने की बात कई बार उठ चुकी है। इजरायल के आर्मी चीफ एयाल जामिर ने हाल ही में कहा था कि गाज़ा से बाहर मौजूद हमास नेताओं को भी टारगेट किया जाएगा।कतर की राजधानी दोहा पर हमला इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। दोहा वह जगह है जहां हमास से जुड़ी शांति वार्ताएं होती रही हैं। यही वजह है कि अब तुर्की को भी आशंका है कि इजरायल किसी भी वक्त उसकी जमीन पर हमला कर सकता है।

कतर और तुर्की दोनों ही अमेरिका के करीबी सहयोगी हैं। कतर में अमेरिकी बेस मौजूद है और तुर्की नाटो का अहम सदस्य है। फिर भी कतर पर हमला होना यह संकेत देता है कि इजरायल किसी भी सहयोगी या रणनीतिक साझेदारी की परवाह किए बिना कार्रवाई कर सकता है। तुर्की को डर है कि यही सिलसिला उसके साथ भी दोहराया जा सकता है, खासकर तब जब राष्ट्रपति एर्दोआन के दौर में इजरायल-तुर्की रिश्ते बिगड़े हैं।

दोहा समिट में शामिल देश इजरायल पर कड़ा संदेश देना चाहते हैं। कतर के प्रधानमंत्री ने साफ कहा है कि 'इजरायल ने सारी हदें पार कर दी हैं और उसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जवाबदेह ठहराना होगा।' पाकिस्तान ने तो यहां तक प्रस्ताव दिया है कि इजरायल की संयुक्त राष्ट्र सदस्यता निलंबित की जाए और उसके खिलाफ इस्लामी देशों की टास्कफोर्स बनाई जाए।विशेषज्ञ मानते हैं कि यह एकजुटता केवल कतर हमले का जवाब नहीं है, बल्कि इससे ज्यादा गहरी रणनीतिक सोच भी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित। कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)